मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 329
सोमवार, 23 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

छत्तीसगढ़ में गृह मंत्री अमित शाह की नक्सलियों को चेतावनी

छत्तीसगढ, 22 जून। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ की आपराधिक न्याय प्रणाली के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि आज इसे आधुनिक बनाने के लिए 3 नई पहल की जा रही हैं। एक- आज नवा रायपुर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के परिसर की आधारशिला रखी गई। दो- आज नवा रायपुर में केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की भी नींव रखी गई। तीन, जब तक ठऋ्र विश्वविद्यालय का नया भवन तैयार नहीं हो जाता, तब तक इसके स्थायी परिसर की भी आज शुरूआत हो गई है। अमित शाह ने कहा कि ये तीनों पहल न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि आने वाले दिनों में पूरे मध्य भारत के लिए आपराधिक न्याय प्रणाली को एक आधार प्रदान करेंगी। इसके साथ ही आज छत्तीसगढ़-आईहब का भी उद्घाटन किया गया है। विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सरकार बनने के बाद निवेश शिखर सम्मेलन हुआ, जिसमें 5 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। छत्तीसगढ़ में कई उद्योग आ रहे हैं। मैं यहां छत्तीसगढ़ के युवाओं को स्पष्ट कहने आया हूं। जब तक युवा स्वयं उद्योगपति नहीं बनेंगे, तब तक छत्तीसगढ़ का निवेश औद्योगिक क्रांति का कारण नहीं बन सकता। गृह मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय की सरकार और राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि उन्होंने रुके हुए नक्सल ऑपरेशन को तेज गति से शुरू किया। मैंने देखा है कि सरकार बनने के बाद से इस सरकार ने न सिर्फ. नक्सल विरोधी अभियान को तेज किया है बल्कि समय-समय

पर इसका मार्गदर्शन भी किया है। पुलिस और सुरक्षा बलों का हौसला बढ़ाया है और इस लड़ाई को कुशलतापूर्वक आगे बढ़ाया है... मैंने कहा था कि 31 मार्च 2026 को यह देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा और मैं आज फिर दोहराना चाहूंगा कि जिस तरह से सुरक्षा बलों ने वीरता दिखाई है, हम इस लक्ष्य को जरूर हासिल करेंगे। शाह ने नक्सलियों से हिंसा छोड़ने और मुख्यधारा में शामिल होने का अनुरोध करते हुए कहा कि बातचीत की कोई जरूरत नहीं है, बस हथियार छोड़ दें, विकास की यात्रा में शामिल हों और आकर्षक आत्मसमर्पण नीति का लाभ उठाएं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, ह्लहर बार बारिश के मौसम में नक्सली थोड़ा आराम करते थे (क्योंकि घने जंगल के अंदर उफनती नदियां और नाले नक्सल विरोधी अभियानों में बाधा डालते हैं), लेकिन इस बार, हम उन्हें मानसून के दौरान सोने नहीं देंगे और हम 31 मार्च के लक्ष्य को हासिल करने के लिए और आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि वह नक्सलवाद की राह पर चले गए भटके युवाओं से हथियार छोड़ने की अपील करना चाहते हैं।

अमित शाह ने कहा कि यह अटल बिहारी वाजपेयी का शताब्दी वर्ष है। मैं पिछले 11 वर्षों से छत्तीसगढ़ आ रहा हूं। मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि छत्तीसगढ़ के निर्माण का पूरा श्रेय हमारे नेता अटल बिहारी वाजपेयी को जाता है। छत्तीसगढ़ को संवारने का पूरा श्रेय वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। छत्तीसगढ़ सरकार अपना 25वां वर्ष मना रही है, और स्थापना वर्ष को अटल निर्माण वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है।

देहरादून में हुए सड़क हादसे में हरियाणा के रहने वाले चार पर्यटकों की मौत, एक घायल

देहरादून, 22 जून। देहरादून के क्लेमेंटाउन क्षेत्र में रविवार तड़के एक कार के सीमेंट से भरे ट्रक से टकराने के कारण हरियाणा के चार पर्यटकों की मृत्यु हो गयी जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस ने यहां बताया कि हादसा बीती रात 3:30 बजे आशारोड़ी के पास हुआ जब सहारनपुर से देहरादून की ओर आ रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक लगाए और उसके पीछे चल रही सफेद रंग की मारुति रिट्ज कार उसमें जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी और कार सवारों को बाहर निकालने में बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

पुलिस ने बताया कि युवकों को निकालकर तत्काल अस्पताल भिजवाया गया जहां चिकित्सकों ने चार को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कहा कि एक अन्य युवक की हालत गंभीर बनी हुई है, जिसका उपचार किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान सोनीपत जिले के पुरखास धीरन के रहने वाले अंकुश, पारस, जींद जिले की जुलाना के रहने वाले अंकित तथा रोहतक जिले के खेड़ी निवासी नवीन के रूप में हुई है जबकि विनय गंभीर रूप से घायल है। हादसे का शिकार हुए युवकों की उम्र 25 से 30 साल के बीच बतायी जा रही है और वे देहरादून घूमने के लिए आ रहे थे। पुलिस ने बताया कि युवकों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि ट्रक को कब्जे में लेकर उसके चालक आफताब से घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है। आफताब उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र के शेखपुरा कदीम का रहने वाला है।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में कई स्तरों पर खामियां हैं : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 22 जून। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में कई स्तरों पर खामियां हैं और विभिन्न शहरों में इसके तहत आवंटित धन का पूरा उपयोग भी नहीं किया गया।

पूर्व पर्यावरण मंत्री रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम कई स्तरों पर नीतिगत खामियों से ग्रसित है। इसकी सबसे बड़ी कमी यह रही है कि इस कार्यक्रम का फोकस पीएम 2.5 (2.5 माइक्रोन से छोटे कणों) के बजाय पीएम10 (10 माइक्रोन से छोटे कणों) को मापने और निगरानी तक सीमित कर दिया गया, जबकि हर साल हजारों लोगों की मौत का मुख्य कारण पीएम 2.5 होता है।

उन्होंने कहा कि अब यह भी सामने आ रहा है कि कार्यक्रम का दायरा सीमित किए जाने के बावजूद धन का उपयोग बेहद निराशाजनक रहा है। रमेश के अनुसार, इस योजना के तहत धन पाने वाले 130 शहरों ने औसतन केवल 70 से 78.5 प्रतिशत तक ही धन का उपयोग किया है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली जैसे शहर में जहां हर साल वायु प्रदूषण एक सार्वजनिक स्वास्थ्य की आपात स्थिति और राष्ट्रीय शर्म का विषय बन जाता है, यहां भी इस योजना के तहत मिले धन का महज 33 प्रतिशत से भी कम खर्च किया गया है। कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि फरीदाबाद ने सिर्फ 26.7 प्रतिशत, नोएडा ने 10 प्रतिशत से भी कम, और यहां तक कि प्रधानमंत्री का निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी भी सिर्फ 48.85 प्रतिशत धन का उपयोग कर पाया, जो कि राष्ट्रीय औसत से काफी कम है।

सेंटर फॉर सनातन रिसर्च का संगठन विस्तार, नवनियुक्त पदाधिकारियों को सौंपे गए दायित्व

- **आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु सहित अनेक धमार्चार्य और प्रबुद्धजन रहे मौजूद**
- **सनातन फॉर रिसर्च सेंटर, उत्तर प्रदेश का दायित्व पद ग्रहण समारोह**

सुरेश गांधी

वाराणसी। सेंटर फॉर सनातन रिसर्च, उत्तर प्रदेश के संगठन विस्तार कार्यक्रम का भव्य आयोजन वाराणसी के सिगरा स्थित एक होटल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई. इस दौरान मुख्य अतिथि प्रदेश के आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु, पूर्व सांसद डॉ. विजय सोनकर शास्त्री, मां विंध्यवासिनी धाम के प्रधान अर्चक अगस्त कुमार द्विवेदी, विशालक्ष्मी मंदिर के महंत राजनाथ तिवारी, राष्ट्रीय संयोजक डॉ. रमन त्रिपाठी व प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक द्विवेदी गणेश सहित अन्य गणमान्यजनों ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इसके दौरान मुख्य अतिथि द्वारा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक द्विवेदी गणेश सहित उत्तर प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों को दायित्व प्रमाण पत्र सौंपा गया। नवगठित टीम में प्रदेश उपाध्यक्ष अवधेश तिवारी, अग्नि त्रिपाठी, महामंत्री संगठन श्रीशरंजन त्रिपाठी, प्रदेश मंत्री अभिषेक मिश्रा, दिल मोहन तिवारी, मंजू देवी, कोषाध्यक्ष एकनाथ पांडे, प्रवक्ता मीनाक्षी, मीडिया प्रभारी

संदीप त्रिपाठी, और सह पदाधिकारी सौरभ पांडे, प्रकाश मिश्रा, आशीष प्रमुख हैं। जबकि संरक्षण मंडल में श्रीकांत मिश्रा (अर्चक विश्वनाथ मंदिर), कमल किशोर (पुजारी दुगार्कुंड), रोशन गिरी (प्रधान पुजारी काल भैरव), अभय पांडे (विधि अधिकारी बीएचयू), राजेश पांडे (जिला अध्यक्ष), अरविंद शुक्ला, डॉ. किरण पांडे, नित्यानंद त्रिपाठी, एवं दिवाकर द्विवेदी को शामिल किया गया। समापन सत्र में वक्ताओं ने सनातन संस्कृति, वैदिक परंपराओं तथा धार्मिक जागरूकता के प्रचार-प्रसार पर जोर देते हुए युवा पीढ़ी को इससे जोड़ने का आह्वान किया। अंत में काशी सहित प्रदेश के जिलों से आएं संगठन के पदाधिकारियों व सनातनियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. दयाशंकर मिश्रा दयालु, ने कहा कि सनातन धर्म कोई संकीर्ण परिभाषा नहीं, बल्कि यह जीवन जीने की वह शाश्वत शैली है, जो हमें आत्मा, शरीर और मन के संतुलन का विज्ञान सिखाती है। यही भारत की आत्मा है, यही ऋषियों की साधना है, और यही वह मूल चेतना है जिसने इस देश को हजारों वर्षों तक विश्वगुरु बनाकर रखा। डॉ. मिश्रा ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं है, यह चेतना का जागरण है। यह आत्मा, शरीर और मन का समन्वय है। और यही समन्वय हमें अपने कर्तव्यों की ओर प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि 21 जून को विश्व योग दिवस ने पुनः सिद्ध किया है कि दुनिया आज भारत की ओर देख रही है, उस संस्कृति की ओर, जिसने न केवल शरीर को बल्कि आत्मा को भी पोषित किया है।

काशी में 'शासन और समन्वय' की ऐतिहासिक संगति

वाराणसी। मोक्ष की नगरी अब नीति और समन्वय की ऐतिहासिक बैठक की साक्षी बनने जा रही है। सोमवार, 23 जून से दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी आ रहे हैं भारत सरकार के गृह मंत्री अमित शाह। उनके साथ मंच साझा करेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय। यह अवसर होगा 25वीं मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक का, जो पहली बार काशी की धरती पर आयोजित हो रही है। बैठक का केंद्रबिंदु होगा शासन, सुरक्षा और विकास का समन्वय। 24 जून को होटल ताज में प्रस्तावित इस बैठक में नीति आयोग, अंतरराज्यीय परिषद और चारों राज्यों के मुख्य सचिव एवं वरिष्ठ

अधिकारी भी भाग लेंगे। सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलने वाली यह बैठक राज्यों के बीच बेहतर समन्वय और साझा चुनौतियों पर ठोस विमर्श का मंच बनेगी।

गृहमंत्री अमित शाह के आगमन पर भाजपा ने काशी की संस्कृति के अनुरूप स्वागत की विशेष तैयारियां की हैं। 11 प्रमुख स्थानों पर ढोल-नगाड़ों, डमरू दल, शंखनाद और पुष्पवर्षा के साथ उनका स्वागत किया जाएगा। इसमें भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठनों के लोग बड़ी संख्या में शामिल होंगे। सोमवार शाम, चारों राज्यों के मुख्यमंत्री गृह मंत्री अमित शाह का स्वागत लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पर करेंगे। इसके पश्चात सभी अतिथि बाबा काल भैरव और श्री काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन कर काशी की आस्था में लीन होंगे। रात्रि में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से एक विशेष रात्रिभोज का आयोजन भी किया गया है। अतिविशिष्ट व्यक्तियों की मौजूदगी को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया गया है। पूरे शहर को जोन और सेक्टरों में बांटते हुए विशेष सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। होटल ताज और आसपास के इलाकों को हाई अलर्ट जोन घोषित किया गया है। मध्य क्षेत्रीय परिषद की यह बैठक न केवल नीति निर्माण की दिशा में एक अहम कड़ी बनेगी, बल्कि पूर्वांचल के लिए सुरक्षा, आधारभूत ढांचे और समग्र विकास से जुड़ी योजनाओं को भी गति देगी। काशीवासियों के लिए यह एक गर्व का क्षण है कि नगरी अब नीति-निर्धारण का भी केंद्र बन रही है।

सीवर टैंक की सफाई करते समय दो कर्मचारियों की मौत

मथुरा। मथुरा जिले के वृन्दावन शहर में एक अतिथि गृह के सीवर टैंक की सफाई करते समय दो कर्मचारियों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। इस घटना को लेकर मृतकों के परिजनों ने हंगामा किया और नगर आयुक्त के आश्वासन के बाद वे शांत हुए।

पुलिस चौकी प्रभारी कुलवीर सिंह ने बताया कि शनिवार शाम दो-तीन सफाईकर्मी एक ठेकेदार के बुलावे पर केशवधाम क्षेत्र में निजी सीवर टैंक की सफाई करने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि एक कर्मचारी जैसे ही टैंक में उतरा तो जहरीली गैस के कारण बेहोश हो गया, इसके बाद उसे बचाने के लिए टैंक उतरा दूसरा साथी भी बेहेश हो गया। तीसरे साथी के शोर मचाने पर लोग वहां इकट्ठा हो गए। चौकी प्रभारी ने बताया कि स्थानीय लोगों ने किसी प्रकार उन्हें अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान नरेंद्र (38) और छोटेलाल (40) रूप में हुई है। दोनों मृतकों के परिजनों ने अस्पताल में ही हंगामा खड़ा कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पहुंचे आयुक्त जगप्रवेश चंद ने उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन देकर परिजनों को शांत कराया।

गुरुग्राम में दिल्ली-जयपुर राजमार्ग पर बस पलटने से पुलिसकर्मी की मौत, 20 लोग घायल

गुरुग्राम। गुरुग्राम में दिल्ली-जयपुर राजमार्ग पर सुबह बस पलटने से दिल्ली पुलिस के एक हेड कांस्टेबल की मौत हो गई और 20 से अधिक यात्री घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली से यात्रियों को लेकर आ रही राजस्थान परिवहन निगम की बस दिल्ली-जयपुर राजमार्ग पर पचगांव चौक के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल बस के कंडक्टर और एक बच्चे को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

नया मानव: नया विश्व के प्रणेता थे आचार्य महाप्रज्ञ

-ललित गर्ग

आचार्य महाप्रज्ञ का 106 वां जन्म दिवस- 23 जून, 2025

प्राचीन समय से लेकर आधुनिक समय तक अनेकों साधकों, आचार्यों, मनीषियों, दार्शनिकों, ऋषियों ने अपने मूल्यवान अवदानों से भारत की आध्यात्मिक परम्परा को समृद्ध किया है, उनमें प्रमुख नाम रहा है -आचार्य महाप्रज्ञ। अपने समय के महान दार्शनिक, धर्मगुरु, संत एवं मनीषी के रूप में जिनका नाम अत्यंत आदर एवं गौरव के साथ लिया जाता है। वे ईश्वर के सच्चे दूत थे, जिन्होंने जीवनमूल्यों से प्रतिबद्ध एक आदर्श समाज रचना का साकार किया है, वे ऐसे क्रांतद्रष्टा धर्मगुरु थे, जिन्होंने देश की नैतिक आत्मा को जागृत करने का भगीरथ प्रयत्न किया। वे एक अनूठे एवं गहन साधक थे, जिन्होंने जन-जन को स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार की क्षमता प्रदत्त की। वे ऊर्जा का एक पूंज थे, प्रतिभा एवं पुरुषार्थ का पर्याय थे। इन सब विशेषताओं और विलक्षणताओं के बावजूद उनमें तनिक भी अहंकार नहीं था। आचार्य महाप्रज्ञ का जन्म हिन्दू तिथि के अनुसार विक्रम संवत 1977, आषाढ़ कृष्ण त्रयोदशी को राजस्थान के झुंझनू जिले के एक छोटे-से गांव टमकोर गाँव में हुआ था, जो इस वर्ष 23 जून, 2025 को हैं।

आचार्य महाप्रज्ञ बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध एवं इक्कीसवीं सदी के प्रारंभ के ऐसे पावन एवं विलक्षण अस्तित्व थे जिन्होंने युग के कैनवास पर नए सपने उतारे, जिन्होंने धर्मक्रांति के साथ व्यक्ति एवं समाजक्रांति का शंखनाद किया। वे व्यक्ति नहीं, संपूर्ण संस्कृति थे। दर्शन थे, इतिहास थे, विज्ञान थे। आपका व्यक्तित्व अनगिन विलक्षणताओं का दस्तावेज रहा है। तपस्विता, यशस्विता और मनस्विता आपके व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व में घुले-मिले तत्त्व थे, जिन्हें कभी अलग नहीं देखा जा सकता। आपकी विचार दृष्टि से सृष्टि का कोई भी कोना, कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं रहा। विस्तृत ललाट, करुणामय नेत्र तथा ओजस्वी वाणी-ये थे आपकी प्रथम दर्शन में होने वाली बाह्य पहचान। आपका पवित्र जीवन, पारदर्शी व्यक्तित्व और उम्दा चरित्र हर किसी को अभिभूत कर देता था, अपनत्व के घेरे में बाँध लेता था। आपकी आंतरिक पहचान थी-अंतःकरण में उमड़ता हुआ करुणा का सागर, सौम्यता और पवित्रता से भरा आपका कोमल हृदय। इन चुंबकीय विशेषताओं के कारण आपके संपर्क में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति आपकी अलौकिकता से अभिभूत हो जाता था और वह बोल उठता था-कितना अद्भुत! कितना विलक्षण!! कितना विरल!!! आपकी मेधा के हिमालय से प्रज्ञा के तथा हृदय के मंदरांचल से अनहद प्रेम और नम्रता के असंख्य झरने निरंतर बहते रहते थे। इसका मूल उद्गम केंद्र था-लक्ष्य के प्रति तथा अपने परम गुरु आचार्य तुलसी के प्रति समर्पण भाव।

आचार्य महाप्रज्ञ को हम बीसवीं एवं इक्कीसवीं सदी के एक ऐसी आलोकधर्मी परंपरा का विस्तार कह सकते हैं, जिस परंपरा को महावीर, बुद्ध, गांधी और आचार्य तुलसी ने आलोकित किया है। अतीत की यह आलोकधर्मी परंपरा धुंधली होने लगी, इस धुंधली होती परंपरा को आचार्य महाप्रज्ञ ने एक नई दृष्टि प्रदान की थी। इस नई दृष्टि ने एक नए मनुष्य का, एक नए जगत का, एक नए युग का सूत्रपात किया था। इस सूत्रपात का आधार आचार्य महाप्रज्ञ ने जहाँ अतीत की यादों को बनाया, वहीं उनका वर्तमान का पुरुषार्थ और भविष्य के सपने भी इसमें योगभूत बने। प्रेक्षाध्यान की कला और एक नए मनुष्य-आध्यात्मिक-वैज्ञानिक व्यक्तित्व के जीवन-दर्शन को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने के लिए वे प्रयत्नशील थे। उनके इन प्रयत्नों में न केवल भारत देश के लोग बल्कि पश्चिमी राष्ट्रों के लोग भी जीवन के गहरे रहस्यों को जानने और समझने के लिए उनके इर्द-गिर्द देखे गये थे। आचार्य महाप्रज्ञ ने उन्हें बताया कि ध्यान ही जीवन में सार्थकता के फूलों को खिलाने में सहयोगी सिद्ध हो सकता है।

आचार्य महाप्रज्ञ जितने दार्शनिक थे, उतने ही बड़े एवं सिद्ध योगी भी थे। वे दर्शन की भूमिका पर खड़े होकर अपने समाज और देश की ही नहीं, विश्व की समस्याओं को देखते थे। जो समस्या को सही कोण से देखता है, वही उसका समाधान खोज पाता है। आचार्यश्री जब योग की भूमिका पर आरूढ़ होते थे, तो किसी भी समस्या को असमाहित नहीं छोड़ते। उन्होंने हिंसा, आतंक एवं युद्ध की समस्या के समाधान के लिये राजनीति, समाज और धर्म के लोगों मिल-जुलकर प्रयत्न करने का आह्वान किया। इसी ध्येय को लेकर उन्होंने समान विचारधारा के लोगों को एक मंच पर लाने का प्रयत्न किया और उसे नाम दिया अहिंसा समवाय।

आचार्य महाप्रज्ञ ने मानव चेतना के विकास के हर पहलू को उजागर किया। कृष्ण, महावीर, बुद्ध, जीसस के साथ ही साथ भारतीय अध्यात्म आकाश के अनेक संतों-आदि शंकराचार्य, कबीर, नानक, रैदास, मीरा आदि की परंपरा से ऐसे जीवन मूल्यों को चुन-चुनकर युग की त्रासदी एवं उसकी चुनौतियों को समाहित करने का अनूठा कार्य उन्होंने किया। जीवन का ऐसा कोई भी आयाम नहीं है जो उनके प्रवचनों/विचारों से अस्पर्शित रहा हो। योग, तंत्र, मंत्र, यंत्र, साधना, ध्यान आदि के गूढ़ रहस्यों पर उन्होंने सविस्तार प्रकाश डाला है। साथ ही राजनीति, कला, विज्ञान, मनोविज्ञान, दर्शन, शिक्षा, परिवार, समाज, गरीबी, जनसंख्या विस्फोट, पर्यावरण, हिंसा, जातीयता, राजनीतिक अपराधीकरण, लोकतंत्र की विसंगतियों, संभावित परमाणु युद्ध का विश्व संकट जैसे अनेक विषयों पर भी अपनी क्रांतिकारी जीवन-दृष्टि प्रदत्त की है। जीवन के नौवें दशक में आचार्य महाप्रज्ञ का विशेष जोर अहिंसा पर रहा। इसका कारण सारा संसार हिंसा के महाप्रलय से भयभीत और आतंकित होना था। जातीय उन्माद, सांप्रदायिक विद्वेष और जीवन की प्राथमिक आवश्यकताओं का अभाव-ऐसे कारण थे जो हिंसा को बढ़ावा दे रहे थे और इन्हीं कारणों को नियंत्रित करने के लिए आचार्य महाप्रज्ञ प्रयत्नशील थे। इन विविध प्रयत्नों में उनका एक अभिनव उपक्रम था-ह्यअहिंसा यात्राह्ल। अहिंसा यात्रा ऐसा आंदोलन बना, जो समूची मानव जाति के हित का चिंतन कर रहा था। अहिंसा की योजना को क्रियान्वित करने के लिए ही उन्होंने पदयात्रा के सशक्त माध्यम को चुना। ह्यचरैवेति-चरैवेति चरन् वै मधु विंदतिह्ल उनके जीवन का विशेष सूत्र बन गया था। इस सूत्र को लेकर उन्होंने पाँच दिसंबर, 2005 को राजस्थान के सुजानगढ़ क्षेत्र से अहिंसा यात्रा को प्रारंभ किया, जो गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़, दिल्ली एवं महाराष्ट्र में अपने अभिनव एवं सफल उपक्रमों के साथ विचरण करते हुए असंख्य लोगों को अहिंसा का प्रभावी प्रशिक्षण दिया एवं हिंसक मानसिकता में बदलाव का माध्यम बनी। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को पोकरण परीक्षण के पश्चात अणुबम नहीं, अणुव्रत, हिंसा नहीं अहिंसा, युद्ध नहीं, अयुद्ध की प्रेरणा देकर उनकी जीवन-दिशा को बदलने वाले आचार्य महाप्रज्ञ ही थे। आचार्य श्री महाप्रज्ञ का जीवन इतना महान और महनीय था कि किसी एक लेख, किसी एक ग्रंथ में उसे समेटना मुश्किल है। यों तो आचार्य महाप्रज्ञ की महानता से जुड़े अनेक पक्ष हैं। लेकिन उनमें महत्त्वपूर्ण पक्ष है उनकी संत चेतना, आँखों में छलकती करुणा, सोच में अहिंसा, दर्शन में अनेकांतवाद, भाषा में कल्याणकारिता, हाथों में पुरुषार्थ और पैरों में लक्ष्य तक पहुँचने की गतिशीलता। आचार्य महाप्रज्ञ जैसे महामानव विरल होते हैं। कहा जा सकता है कि आचार्य महाप्रज्ञ ऐसे सृजनधर्मा साहित्यकार, विचारक एवं दार्शनिक मनीषी थे जिन्होंने प्राचीन मूल्यों को नये परिधान में प्रस्तुत किया। उनका रचित साहित्य राष्ट्र, समाज एवं सम्पूर्ण मानवता को प्रभावित एवं प्रेरित करता रहा है। वे अध्यात्म-चेतना को परलोक से न जोड़कर वर्तमान जीवन से जोड़ने की बात कहते थे। उनका साहित्य केवल मुक्ति का पथ ही नहीं, वह शांति का मार्ग है, जीवन जीने की कला है, जागरण की दिशा है और रूपांतरण की सजीव प्रक्रिया है। उनका साहित्य जादू की छड़ी है, जो जन-जन में आशा का संचार करती रही है। मेरा सौभाग्य है कि मुझे उनके निकट रहने, उनके कार्यक्रमों से जुड़ने और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का अवसर मिला। मुझे उनका असीम आशीर्वाद प्राप्त हुआ और मुझे पहला आचार्य महाप्रज्ञ प्रतिभा पुरुस्कार भी उन्ही के सान्निध्य में मिला। मेरा जीवन सचमुच ऐसे महापुरुष की सन्निधि से धन्य बना। आचार्य महाप्रज्ञ के निर्माण की बुनियाद भाग्य भरोसे नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, पुरुषार्थी प्रयत्न और तेजस्वी संकल्प से बनी थी। हम समाज एवं राष्ट्र के सपनों को सच बनाने में सचेतन बनें, यही आचार्य महाप्रज्ञ की प्रेरणा थी और इसी प्रेरणा को जीवन-ध्येय बनाना उस महामानव के जन्म दिवस को मनाने की सच्ची सार्थकता है।

क्या नरसंहार की इबारत लिखने वाले देश तय करेंगे कि परमाणु शस्त्र कौन रखे

-तनवीर जाफरी

- तनवीर जाफरी

इस्राईल -ईरान के बीच छिड़े आधुनिक युद्ध ने पूरे विश्व को स्तब्ध व चिंतित कर दिया है। इस्राईल गत कई वर्षों से ईरान को युद्ध में खींचने की पूरी कोशिश कर रहा था परन्तु ईरान सीधे युद्ध में कूदने से बचता आ रहा था। परन्तु गत 13 जून को इस्राईल ने ईरान पर एक बड़ा हवाई हमला कर दिया। इस हमले के कुछ ही समय बाद इस्राईली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने एक टी वी प्रसारण में इस हमले को उचित ठहराते हुये ईरान पर परमाणु बम बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया और अपनी चिंता दोहराई कि ईरान का परमाणु बम इस्राईल को नष्ट कर सकता है। इस्राईल ने ईरान के कई परमाणु वैज्ञानिक और शीर्ष सेना कमांडर भी मार दिये। इस्राईल ने 13 जून को ईरान पर हमला उस समय किया जबकि दो दिन बाद ही यानी 15 जून को ईरान और अमरीका के मध्य परमाणु समझौता होने की तारीख तय थी और यह समझौता किसी निष्कर्ष पर पहुँचने की उम्मीद भी की जा रही थी। परन्तु इस्राईल ने समझौते के पहले ही हमला कर ईरान को बड़ा धोका दे दिया। इस्राईली हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी यह कहकर सबको चौंका दिया कि उन्हें इस हमले की पहले से जानकारी थी और इस हमले में कई ईरानी कट्टरपंथी (परमाणु वातार्कार) मारे गए हैं। उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि अगर वह समझौता नहीं करता, तो और बड़े हमले झेलने पड़ सकते हैं। यही नहीं बल्कि ट्रंप ने इस्राईल की पीठ थपथपाते हुये इस्राईली हमलों को ₹शानदार₹ बताया और कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की इच्छा छोड़नी होगी। साथ ही ट्रंप ने अमेरिका को इस्राईल का सबसे बड़ा सहयोगी भी बताया। साफ है ईरान पर इस्राईल द्वारा धोखे से किये गये इस हमले का अमेरिका भी बराबर का साझीदार है।

अब जरा 2003 के उस दौर को भी याद कीजिये जब इराक में सद्दाम हुसैन के शासनकाल में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश प्रशासन, ने यह दावा किया था कि सद्दाम हुसैन के पास रासायनिक, जैविक और संभवतः परमाणु हथियार भी हैं जो वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा हो सकते हैं। यह दावा खुफिया जानकारी पर आधारित बताया गया था। इसी 'खुफिया जानकारी' को बहाना बनाकर अमेरिका ने ₹ऑपरेशन इराकी फ्रीडम₹ के नाम से इराक पर बड़ी सैन्य कार्रवाई की और इराक को तबाह कर के छोड़ा। यहाँ तक कि स्थानीय अदालत का गठन कर सद्दाम हुसैन को फांसी पर चढ़ा दिया। इराक में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां रासायनिक, जैविक और सामूहिक विनाश के हथियार होने की जानकारी गलत साबित हुई। वहां ऐसे हथियार होने के कोई सबूत नहीं मिले। जगजाहिर है कि अमेरिका द्वारा इराक पर सैन्य कार्रवाई वहां के तेल संसाधनों पर नियंत्रण और मध्य पूर्व में अमेरीकी सामरिक प्रभाव बढ़ाने की इच्छा के तहत की गयी। इराक की तबाही व सत्ता परिवर्तन के बाद अमेरिका ने यह तर्क भी दिया था कि सद्दाम हुसैन का तानाशाही शासन इराकी जनता और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए हानिकारक था।

बहरहाल आज वही अमेरिका जिसने केवल इराक ही तबाह करने की कोशिश नहीं की बल्कि वह जापान पर 6 और 9 अगस्त 1945 को परमाणु बम गिराने का भी गुनहगार है. वह अमेरिका जो कोरिया, ग्वाटेमाला, इंडोनेशिया, क्यूबा, कांगो, लाओस, वियतनाम, कंबोडिया, ग्रेनेडा, लेबनान, सीरिया, लीबिया, अल साल्वाडोर, निकारागुआ, ईरान(1987) पनामा, इराक, कुवैत, सोमालिया, बोस्निया, सूडान, अफगानिस्तान, योगोस्लाविया जैसे देशों पर हमले करने व वहां की सत्ता को अस्थिर करने का जिम्मेदार हो, क्या वह अमेरिका तय करेगा कि किस देश को परमाणु शस्त्र रखना चाहिए और किसे नहीं ? या फिर फिलिस्तीन की जमीन पर अमेरिका ब्रिटेन की शह पर कब्जा जमाये बैठा वह अवैध देश इस्राईल जिसपर गजा में लगभग 82,000 लोगों को मारने व लगभग 20 लाख लोगों को बेघर कर क्षेत्र में मानवीय संकट खड़ा का आरोप है वह तय करेगा कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिए और किसे नहीं? जो देश स्वयं पूरे विश्व में अस्थिरता फैलाने, क्षेत्रीय संघर्ष भड़काने, शस्त्रों के व्यवसाय तथा तेल जैसी सम्पदा पर गिद्ध दृष्टि रखते हों पड़ोसी देशों में फूट डलवाकर युद्ध भड़काना ही जिनका वयवसाय बन चुका हो वह देश कैसे निर्धारित कर सकते हैं कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिये किसे नहीं ?

आज विश्व में जिनदेशों के पास परमाणु शस्त्र हैं उनमें सबसे बड़ा जखीरा संयुक्त राज्य अमेरिका के पास है। इसके अतिरिक्त रूस, चीन, फ्रांस, यूके (ब्रिटेन), इस्राईल, उत्तर कोरिया, भारत व पाकिस्तान जैसे देश भी परमाणु शस्त्र धारक देशों में गिने जाते हैं। बावजूद इसके कि ईरान अभी तक यह कहता आया है कि उसके द्वारा किया जा रहा परमाणु संवर्धन उसकी ऊर्जा सम्बन्धी जरूरतों को पूरा करने जैसे शांतिपूर्ण कार्यों के लिये है। फिर भी यह क्यों जरूरी नहीं कि मानवता का सबसे बड़ा हत्यारा देश इजराईल जो भूखे, निहत्थे बच्चों व बुजुर्गों औरतों का लगातार नरसंहार करता आ रहा, जो अपनी सैन्य शक्ति और अमेरिका की शह के बल पर अपने कब्जे की जमीन का लगातार विस्तार करता जा रहा हो जो उसे पनाह देने वाले देश फिलिस्तीन के लोगों को ही उनकी मातृभूमि से बेदखल करने की साजिश रच रहा हो, जो अमरीका के इशारे पर पूरे मध्य एशिया में फूट डालने वाली राजनीति कर रहा हो आखिर क्षेत्रीय संतुलन बनाने के लिये उसके सामने ईरान जैसे देश का डटकर खड़ा होना जरूरी क्यों नहीं ? क्या इस पूरे मध्य क्षेत्र को अमेरिका इस्राईल के रहम-ो-करम पर जीने के लिये छोड़ देना चाहिये? ताकि जब चाहें और जिस देश को चाहें गजा, यमन व लेबनान बना सकें? निश्चित रूप से युद्ध से बुरी कोई स्थिति नहीं होती। हमेशा इस त्रासदी का शिकार बेकुसूर महिलाएं, बच्चे व बुजुर्ग होते आये हैं। युद्ध से मानवता आहात होती है। सही मायने में तो पूरे विश्व को ही न केवल परमाणु शस्त्र मुक्त बल्कि पूरा विश्व निःशस्त्र भी होना चाहिये। परन्तु अमेरिका इजराईल जैसे देशों द्वारा जब अपनी ताकत का दुरूपयोग दशकों से किया जाता रहा हो और यह सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा हो ऐसे में इन्हें 'वाक ओवर' देने के बजाये इनके सामने अपने स्वाभिमान के लिये संकल्पबद्ध होकर खड़े होना कौन सा जुर्म है ? अमेरिका व इस्राईल के सामने ईरान के सिर उठाकर खड़े होने जैसे फौलादी इरादों की आज दुनिया सराहना कर रही है। परन्तु यह देश आज कभी ईरान के निष्कासित रजा शाह पहलवी के पुत्र के काँधे पर सवार होकर तो कभी भीतरी फूट डालकर कभी मोसाद का इस्तेमाल कर ईरान को अस्थिर करने की पुरजोर कोशिश में लगा है। इनकी गिद्ध दृष्टि इस बात पर टिकी है कि किसी तरह वर्तमान संकल्पवान व स्वाभिमानी ईरानी सत्ता को बेदखल कर अपनी पिट्ठू सरकार बनाई जाये और ईरान को अस्थिर कर यहाँ भी मनमर्जी से तेल दोहन किया जा सके। परन्तु शहादत को अपना आभूषण समझने व दास्तान ए करबला से प्रेरणा लेना वाला यह देश अमेरिका व इजराईल की घुड़कियों को कुछ भी नहीं समझ रहा। क्या ईरान को आत्मरक्षा का अधिकार नहीं ? क्या नरसंहार की इबारत लिखने वाले देश ही यह तय करेंगे कि परमाणु शस्त्र कौन रखे और कौन न रखे ?

इजरायल ईरान युद्ध में अमेरिका का दखल

संजीव ठाकुर

ट्रायंगल ने नया मोड़ ले लिया है। इजरायल ईरान युद्ध के तनाव को अमेरिका की एंट्री ने और बढ़ा दिया है। इजरायल ईरान के भीषण युद्ध में जहां इसराइल ने ईरान की राजधानी तेहरान सहित ईरान के सत्ता प्रमुख आयतुल्लाह खेमनेइ को खत्म करने की ठान ली है। वहीं ईरान ने जवाबी हमले में तेल अबिब के गैस और तेल के ठिकानों सहित स्टॉक एक्सचेंज, अस्पताल सहित अनेक नागरिक केंद्रों को बर्बाद कर दिया है। ईरान की टारगेटेड मिसाइल को इसराइल रोक पाने में असफल रहा है, वैसे अब इजरायल के पास ईरान को रोकने के लिए उतने अस्त्र-शास्त्र शेष नहीं बचे क्योंकि विगत एक साल से ज्यादा उसकी लड़ाई हमास, हिजबुल और हूती विद्रोहियों के साथ गाजा पट्टी तथा फिलिस्तीन पर चल रही है। अब इजराइल में वह दम-खम नहीं रहा जिसके लिए वह जाना जाता है। जबकि ईरान के पास अभी सैकड़ों मिसाइल्स का भंडार बचा हुआ है जिसके दम पर वह इसराइल के शहरों में ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। इसराइल ने इन परिस्थितियों में अमेरिका से ईरान पर हमले की गुजारिश भी की थी, और अमेरिका ने बीती रात अपने सबसे खतरनाक एयर स्ट्राइकर से ईरानी परमाणु ईंधन केंद्रों जिनमें प्रमुख फोर्दो, नतांज और इस्फहान हैं जिनके गहरे बंकरों में वह परमाणु ईंधन छुपा कर रखता है पर हमला कर दिया है। समाचार एजेंसी के अनुसार इनमें एक

फोर्दो सबसे बड़ा परमाणु ईंधन भंडारण जो पूरी तरह तबाह हो चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस हमले की पुष्टि भी कर दी है उन्होंने अपने मीडिया हैंडल में लिखा है कि हमने इन तीन परमाणु भंडारण केंद्र में हमले कर उसे तबाह करने की कोशिश की है और हमारे दोनों फाइटर प्लेन सुरक्षित वापस अमेरिका आ चुके हैं डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को धमकी दी है कि व? हमले हो सकते हैं इसराइल के प्रधानमंत्री ने कहा कि शांति का रास्ता हमले से गुजर कर होकर जाता है। हीरा की सट्टा प्रमुख ने इसके जवाब में कहा है कि हमले रुकेंगे नहीं और अब शांति प्रस्ताव पर कोई चर्चा नहीं होगी। उल्लेखनीय है कि मिडिल ईस्ट में इसराइल के अलावा किसी के पास परमाणु बम नहीं है वैसे तो घोषित तौर पर इजरायल के पास भी परमाणु बम नहीं है पर रक्षा विशेषज्ञ बताते हैं कि इसराइल ने परमाणु बम बना लिया है एवं वह इस दुनिया के सामने इसकी घोषणा नहीं करता है। इन परिस्थितियों में ईरान अमेरिका तथा इजरायल के सामने अलग-थलग पड़ गया है इसका एक बड़ा कारण मिडिल ईस्ट में शिया तथा सुन्नी समुदाय का आंतरिक विरोध भी है। पिछले 36 साल से ईरान पर शासन कर रहे आयतुल्लाह खेमनई ने शिया सुन्नी विवाद को बहुत आगे बढ़ा दिया और मिडिल ईस्ट के कई देशों को परेशान भी किया है ऐसे में सारे मुस्लिम देश इसराइल तथा अमेरिका के विरोध में एकत्र नहीं हो पाए। गौरतलब है कि इसराइल ने ईरान के 11-12 प्रमुख परमाणु वैज्ञानिकों तथा उसके सबसे ताकतवर सैन्य कमांडरों की मिसाइल हमले से हत्या भी कर दी है ऐसे में ईरानी प्रमुख के पास वर्तमान में सेना को नेतृत्व करने वाले कमांडरों की कमी हो गई है और उसके परमाणु प्रोग्राम का भविष्य भी चौपट हो गया है। रही-सही कसर अमेरिका के लड़ाकू विमान ने परमाणु ईंधन भंडारण ठिकानों पर हमला कर उसे नष्ट कर पूरा कर दिया है। ईरान भी युद्ध के शुरूआती दौर में पाकिस्तान के भरोसे परमाणु हमले की धमकी दे रहा था पर पाकिस्तान के सो- कॉल्ड फील्ड मार्शल असीम मुनीर डोनाल्ड ट्रंप की लंच पॉलिटिक्स में उलझ कर उसके खेमे में जाकर ईरान का साथ देने से साफ इनकार कर दिया हैं। पाकिस्तान अमेरिका को अपने दो ऐसे एयर-बेस जो ईरान के एकदम नजदीक हैं को इस लड़ाई में उपयोग करने हेतु देने में सहमत हो गया है। और अब ईरान के समर्थन में पाकिस्तान परमाणु बम का किसी भी तरह उपयोग नहीं करेगा।

इन परिस्थितियों के परिणामस्वरुप यदि ईरान इजरायल पर हमले जारी रखता है तो इजरायल, अमेरिका, यूरोपीय देश और नाटो संगठन ईरान के विरुद्ध हमले करने से पीछे नहीं हटेगें जो किसी भी विश्व युद्ध से कम नहीं होगा।

भारत के संदर्भ में युद्ध नुकसान देह होगा-:

इजराइल ईरान और अमेरिका के युद्ध में मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण भारत के लिए एक कठिन परीक्षा की घड़ी होगी। भारत के संबंध ईरान से बहुत पुराने हैं और वह ईरान से क्रूड ऑयल भी आयात करता है दूसरी तरफ भारत के इजराइल से बड़े अच्छे मैत्रीपूर्ण संबंध है अब भारत को किसी एक देश को समर्थन देना राजनीतिक तौर पर बहुत कठिन एवं असमंजस वाला होगा। दोनों के बीच युद्ध और बढ़ता है तो मिडिल ईस्ट में बड़ी संख्या में रहने वाले भारतीय प्रवासियों तथा ईरान से आने वाले क्रूड ऑयल के मार्ग पर भी बाधा उत्पन्न हो सकती है जिससे पेट्रोल डीजल भारत में महंगे होकर इस महंगाई का फर्क देश की आवश्यक वस्तुओं पर भी डाल सकते हैं। इसलिए बेहतर यह होगा कि भारत इजरायल ईरान युद्ध विराम के प्रयासों को बढ़-चढकर समर्थन प्रदान करे।

वैसे भी इतिहास गवाह है कि युद्ध या विश्व युद्ध से मानवता और संवेदना ही हताहत हुई है बच्चे बूढ़े तथा स्त्रियां इन युद्धों में सबसे ज्यादा आहत और परेशान हुए हैं। इसीलिए युद्ध विराम कर वैश्विक शांति की स्थापना के हर तरह के प्रयास किए जाने चाहिए।

योग सिंधू में संघ की जलधारा

सृष्टि के प्रारम्भ से ही भगवान शिव को ह्ययोगेश्वरह्ल माना गया है। अनेक योग परंपराएँ जैसे नाथयोग, हठयोग, मंत्रयोग, लययोग, राजयोग, आदि सभी भगवान शिव से ही प्रारंभ मानी जाती हैं। गुरु गोरखनाथजी के सम्प्रदाय में शिव को ह्यआदिनाथके रूप में पूजा जाता है और ध्यान मुद्रा में उनकी उपासना की जाती है।

भारत की सनातन संस्कृति की तरह योग भी सनातन है, अविरल है। यह तो संभव है कि आकाश के तारे गिन लिए जाएं या धरती के कणों की सही-सही संख्या का पता लगा लिया जाए परन्तु योग के सिंधू कितनी जलधाराएं मिलीं, कितने नद समाहित हुए इसका अनुमान लगाना भी असंभव है। इन्हीं अनन्त जलराशियों में शामिल है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसका उद्देश्य व्यक्ति उत्थान से राष्ट्रोत्थान रहा है और संघ ने योग को अपने इस काम का साधन बनाया है।

सृष्टि के प्रारम्भ से ही भगवान शिव को ह्ययोगेश्वरह्ल माना गया है। अनेक योग परंपराएँ जैसे नाथयोग, हठयोग, मंत्रयोग, लययोग, राजयोग, आदि सभी भगवान शिव से ही प्रारंभ मानी जाती हैं। गुरु गोरखनाथजी के सम्प्रदाय में शिव को ह्यआदिनाथके रूप में पूजा जाता है और ध्यान मुद्रा में उनकी उपासना की जाती है। नाथ संप्रदाय में योग को शिवविद्या या महायोगविद्या कहा गया है, जिसमें आत्मा और ब्रह्मांड के सामरस्य की अनुभूति प्रमुख है। शिवगीता में भगवान शिवजी ने भगवान राम को योग का दिव्य उपदेश दिया, जब वे सीता-वियोग से व्याकुल थे। उन्होंने आत्मज्ञान, चित्त की एकाग्रता, और भौतिक आसक्ति से विरक्ति का विस्तार से निरूपण किया। भगवान शिव को ध्यानमग्न योगी के रूप में भी दशार्या गया है, जिनका ध्यान जीवन के परम लक्ष्य ह्यमोक्षकी ओर उन्मुख करता है। वेदों में वर्णित शिवसंकल्पसूक्त योग के लिए वैदिक प्रेरणा का आधार है, जो भगवान शिव की चेतना और व्यापक दृष्टिकोण को दशार्ता है।

महाभारत में योग को आत्मसाधना और अंतःकरण की शुद्धि का मार्ग माना गया है। महर्षि वेद व्यासजी ने ध्यानयोग के लिए द्वादश साधनों (देश, कर्म, आहार, दृष्टि, मन आदि) के संयम को अनिवार्य बताया है। इसके शान्ति पर्व में ऋषियों को योग की 12 विधियों से ध्यानयोग का अभ्यास करते बताया गया है। भगवान श्रीकृष्ण को भी ह्ययोगेश्वरह्ल कहा गया है क्योंकि वे न केवल योग के आचार्य हैं बल्कि स्वयं योग के मूर्तिमान स्वरूप भी हैं। भगवद्गीता को स्वयं भगवान की साक्षात योगयुक्त वाणी कहा गया है, जो आज भी अज्ञान और मोह का नाश कर आत्मबोध करा सकती है। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को विभिन्न योगों का उपदेश दिया - कर्मयोग, ज्ञानयोग, भक्ति योग, और ध्यानयोग। ह्यसमत्वं योग उच्यतेह्ल और ह्ययोगः कर्मसु कौशलमह्ल जैसे श्लोक योग को जीवन की कुशलता और समत्व की दशा से जोड़ते हैं।

इसी तरह महर्षि पतंजलि, महर्षि चरक, आदिगुरु शंकराचार्य जी से लेकर आधुनिक काल के योग गुरुओं, शिक्षकों व साधकों सहित अनेक ज्ञात-अज्ञात जलनद योग के सिंधू को अपने ज्ञान से समृद्ध करते रहे हैं।

इन्हीं जलधाराओं में एक सम्मानित नाम है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का जो अपने जन्म से ही भारतीय संस्कृति व अपने सांस्कृतिक मानबिन्दुओं की पुनर्स्थापना के काम में लगा है। संघ की स्थापना 1925 में डॉ. हेडगेवार द्वारा की गई थी, जिनका उद्देश्य था राष्ट्रभक्ति, शारीरिक और मानसिक विकास और आत्मानुशासन के माध्यम से भारत के युवाओं को संगठित करना। योग को संघ के आद्यात्मिक और शारीरिक प्रशिक्षण के अनिवार्य भाग के रूप में अपनाया गया। संघ की शाखाओं में सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, ध्यान और आसनों का नियमित अभ्यास कराया जाता है।

योग और संघ का संबंध केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मनियंत्रण, सामाजिक सेवा, समरसता और आध्यात्मिक जागरण से भी जुड़ा है। संघ संस्थापक डॉ. हेडगेवार स्वयं योग साधक थे और उन्होंने शाखा पद्धति में योग को अनिवार्य रूप से जोड़ा। संघ के दूसरे सरसंघचालक श्रीगुरुजी ने भी योग को आंतरिक तप और अनुशासन के अंग के रूप में देखा। उनका कहना था, ह्ययदि स्वास्थ्य-रक्षा तथा रोग-प्रतिकार करने के लिए योगासनों के अभ्यास की ओर लोगों ने ध्यान दिया तो सर्वसाधारण जनता के स्वास्थ्य में सुधार हो कर उनका औषधियों पर होने वाला व्यय कम होगा तथा सब दृष्टि से उनका कल्याण होगा।ह्ल

योग केवल आत्मोन्नति का साधन नहीं बल्कि समाजोद्धार और राष्ट्रनिर्माण का भी पथ है। यही दृष्टिकोण संघ द्वारा अपनाया गया। संघ के प्रमुख शिक्षा वर्गों में योगासन और ध्यान की विधिवत शिक्षा दी जाती है। योग के माध्यम से स्वयंसेवकों में संयम, साहस और शारीरिक स्फूर्ति का विकास किया जाता है, ताकि वे सेवाकार्यों में तत्पर रह सकें।

आज भी संघ की हजारों शाखाओं में योगाभ्यास अनिवार्य गतिविधियों में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक स्वयंसेवक के रूप में संघ से जुड़े रहे हैं। उनके द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की घोषणा और उसे विश्वपटल पर स्थापित करना इस संघ परंपरा की ही एक आधुनिक अभिव्यक्ति है। संघ का यह दृष्टिकोण ह्ययोग ही युक्ति है, योग ही शक्ति हैह्ल, के सूत्र में संक्षेपित किया जा सकता है। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा 2015 के अनुसार, ह्ययोग भारतीय सभ्यता की विश्व को देन है। संघ द्वारा योग दिवस पर पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि ह्यसंयुक्त राष्ट्र की 69वीं महासभा द्वारा प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की घोषणा से सभी भारतीय, भारतवंशी व दुनिया के लाखों योग-प्रेमी अतीव आनंद तथा अपार गौरव का अनुभव कर रहे हैं। यह अत्यंत हर्ष की बात है कि भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने 27 सितम्बर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र की महासभा के अपने सम्बोधन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने का जो प्रस्ताव रखा उसे अभूतपूर्व समर्थन मिला। नेपाल ने तुरंत इसका स्वागत किया। 175 सभासद देश इसके सह-प्रस्तावक बनें तथा तीन महीने से कम समय में 11 दिसम्बर, 2014 को बिना मतदान के, आम सहमति से यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा इस बात की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहती है कि योग भारतीय सभ्यता की विश्व को देन है। ह्ययुजह्ल धातु से बने योग शब्द का अर्थ है जोड ?ा तथा समाधि। योग केवल शारीरिक व्यायाम तक सीमित नहीं है, महर्षि पतंजलि जैसे ऋषियों के अनुसार यह शरीर मन, बुद्धि और आत्मा को जोड ? की समग्र जीवन पद्धति है। शास्त्रों में ह्ययोगश्चित्तवृत्ति निरोधःह्ल, ह्यमनःप्रशमनोपायः योगःह्ल तथा ह्यसमत्वंयोगउच्यतेह्ल आदि विविध प्रकार से योग की व्याख्या की गयी है, जिसे अपना कर व्यक्ति शान्त व निरामय जीवन का अनुभव करता है। योग का अनुसरण कर संतुलित तथा प्रकृति से सुसंगत जीवन जीने का प्रयास करने वालों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है, जिसमें दुनिया के विभिन्न संस्कृतियों के सामान्य व्यक्ति से लेकर प्रसिद्ध व्यक्तियों, उद्यमियों तथा राजनयिकों आदि का समावेश है। विश्व भर में योग का प्रसार करने के लिए अनेक संतों, योगाचार्यों तथा योग प्रशिक्षकों ने अपना योगदान दिया है, ऐसे सभी महानुभावों के प्रति प्रतिनिधि सभा कृतज्ञता व्यक्त करती है। समस्त योग-प्रेमी जनता का कर्तव्य है कि दुनिया के कोने कोने में योग का सन्देश प्रसारित करे।

अ. भा. प्रतिनिधि सभा भारतीय राजनयिकों, सहप्रस्तावक व प्रस्ताव के समर्थन में बोलने वालेस दस्य देशों तथा संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों का अभिनन्दन करती है जिन्होंने इस ऐतिहासिक प्रस्ताव को स्वीकृत कराने में योगदान दिया। प्रतिनिधि सभा का यह विश्वास है कि योग दिवस मनाने व योगाधारित एकात्म जीवनशैली को स्वीकार करने से सर्वत्र वास्तविक सौहार्द तथा वैश्विक एकता का वातावरण बनेगा। अ.भा. प्रतिनिधि सभा केंद्र व राज्य सरकारों से अनुरोध करती है कि इस पहल को आगे बढ़ाते हुए योग का शिक्षा के पाठ्यक्रमों में समावेश करें, योग पर अनुसन्धान की योजनाओं को प्रोत्साहित करें तथा समाज जीवन में योग के प्रसार के हरसंभव प्रयास करें। प्रतिनिधि सभा स्वयंसेवकों सहित सभी देशवासियों, विश्व में भारतीय मूल के लोगों तथा सभी योग-प्रेमियों का आवाहन करती है कि योग के प्रसार के माध्यम से समूचे विश्व का जीवन आनंदमय स्वस्थ और धारणक्षम बनाने के लिए प्रयासरतर हैं।

वृत्तपत्र में नाम छपेगा,
पहनूंगा स्वागत समुहार।
छोड़ चलो यह क्षुद्र भावना,
हिन्दू राष्ट्र के तारणहार।।

के सिद्धांत पर चलते हुए संघ ने कभी किसी काम का श्रेय नहीं लिया परन्तु योग रूपी सिंधू में संघ की अविरल धारा के योगदान को सदैव स्मरण किया जाता रहेगा।

- राकेश सैन

शरीर को स्वस्थ और निरोगी रखने के लिए करें योग : आचार्य पवन त्रिपाठी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। योग एक प्राचीन अभ्यास है, जो सदियों से लोगों को उनके शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता रहा है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विश्व प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर परिसर में आयोजित योग शिविर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि योग का अभ्यास केवल शारीरिक आसन करने के बारे में नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को शामिल करता है। शरीर के साथ-साथ यह मन को भी ताकत देता है। स्वस्थ नागरिक देश को महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं इसलिए सबका स्वस्थ रहना आवश्यक है। भारतीय संस्कृति में अपनी जड़ों के साथ, योग कई लाभ प्रदान करता है जो समग्र रूप से स्वस्थ और संतुलित जीवन में योगदान करते हैं। इस अवसर पर मंदिर न्यास के विश्वस्त महेश मुदलियार, कार्यकारी अधिकारी वीणा पाटील, उप कार्यकारी अधिकारी समेत न्यास के सभी आधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में बप्पा के भक्त उपस्थित रहे।

एम.सी.ई.डी. के माध्यम से पालघर में क्लस्टर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र शासन के उद्योग संचालनालय द्वारा संचालित महाराष्ट्र राज्य औद्योगिक समूह विकास योजना (एमएसआई - सीडीपी) के अंतर्गत पालघर जिले में दो नए क्लस्टर झ सुपरनारी टेक्सटाइल फाउंडेशन और यारानोवा हनी एसोसिएशन झ को स्वीकृति मिली है। इन नवगठित क्लस्टर्स के उद्यमियों के लिए महाराष्ट्र उद्यमिता विकास केंद्र (एमसीईडी) द्वारा 19 जून से 20 जून 2025 तक दो दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला उद्योग केंद्र, पालघर में किया गया।

प्रशिक्षण का उद्घाटन जिला उद्योग केंद्र पालघर के महाव्यवस्थापक उपेंद्र सांगले ने किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में एमएसआई - सीडीपी योजना की महत्ता बताते हुए कहा कि क्लस्टर स्तर पर कार्य करते समय इस प्रकार के प्रशिक्षण का अत्यंत महत्व होता है। उन्होंने उपस्थित उद्यमियों को एकजुट होकर कार्य करने और जिला उद्योग केंद्र की हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में जिला उद्योग केंद्र के प्रबंधक उद्धव माने ने भी सहभागियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि फील्ड में अनेक चुनौतियां आएंगी, लेकिन घबराने की आवश्यकता नहीं है झ जिला उद्योग केंद्र सदैव साथ खड़ा रहेगा। उद्योग निरीक्षक नाना दडस ने मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना की विस्तृत जानकारी दी और सभी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इन दोनों क्लस्टर्स के निर्माण के लिए अनीता कुलकर्णी ने समन्वय की अहम भूमिका निभाई। उन्होंने जिला उद्योग केंद्र के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रकाश मोहिते और डॉ. दिनेश गुप्ता ने उद्यमियों को प्रेरक और व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया। अंत में एम.सी.ई.डी. पालघर के परियोजना अधिकारी धम्मपाल थोरात ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर सुवर्णा महामुनी ने कार्यक्रम आयोजन में विशेष योगदान दिया।

कालीधोंड स्कूल में उत्साहपूर्ण मना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय, कालीधोंड में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह और जनभागीदारी के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय परिसर में छात्रों, अभिभावकों, ग्रामीणों एवं शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि गरदवाडी उपकेंद्र, साकुर पीएससी की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी कोमल गायकवाड़ को विशेष रूप से योग प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने उपस्थित छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को योग के विविध आसनों का प्रभावशाली प्रदर्शन कर मार्गदर्शन दिया। उनके इस योगदान की सराहना सभी ने की। इस आयोजन की संकल्पना भाऊसाहेब शेटे द्वारा की गई थी। उन्होंने योग दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को नियमित योग करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के आयोजन में पंचायत समिति समूह शिक्षणाधिकारी विजया तालकुटे का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिससे संपूर्ण आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या लक्ष्मी ठाकरे, सहशिक्षिकाएं नयना सूर्यवंशी, शिल्पा सहारे, साथ ही योगिता बोम्बडे, जयश्री भोये, दिनेश भोये, खाडे, संदेश चौधरी जैसे स्वयंसेवी शिक्षकगण भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में विशेष रूप से विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य थाने खारपड़े बोरसे भी शामिल हुए। अंत में शेटे ने स्वास्थ्य विभाग के प्रति सहयोग हेतु आभार जताया।

भाजपा के पंजीयन शिविर को मिला जोरदार प्रतिसाद

वसई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी वसई रोड मंडल और राजस्व प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में वसई पश्चिम स्थित विश्वकर्मा हॉल में आयोजित पंजीयन शिविर को नागरिकों से जबरदस्त एवं स्वतःस्फूर्त प्रतिसाद मिला। शिविर में सैकड़ों छात्रों, उनके अभिभावकों और वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लेकर विभिन्न सरकारी प्रमाणपत्रों का लाभ उठाया।

यह शिविर वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर द्वारा वसई तहसीलदार से किए गए अनुरोध के बाद आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसमें वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित, प्रांत अधिकारी शेखर घाडगे, तहसीलदार अविनाश कोष्टी, पूर्व नगरसेविका किरण भोईर एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। शिविर में आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, वरिष्ठ नागरिक कार्ड जैसे आवश्यक दस्तावेजों के लिए नागरिकों की सहायता की गई। साथ ही, दिव्यांग नागरिकों को भी सेवाएं प्रदान की गईं।

राजस्व विभाग की ओर से माणिकपुर मंडल अधिकारी हरीश जनठे समेत कई तलाठी और सहायक मौजूद थे। महासेवा केंद्र की टीम, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्वयंसेवकों ने शिविर में आए लोगों को आवेदन पत्र भरने में मदद की। इस शिविर को सफल बनाने में महेश सरवणकर के साथ भाजपा वसई रोड मंडल के 100 से अधिक पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने अथक परिश्रम किया, जिनमें दीपक शर्मा, चेतन पेज, स्मिता वेंगुर्लेकर, विजय शाह, अंजिता कोली, कविता पाटिल, नितेश भालेराव, शुभ जैन सहित कई समर्पित कार्यकर्ता शामिल रहे।

भारतीय समाज उन्नति मंडल के वर्धापन दिवस पर विधायक कुमार आयलानी का सत्कार

उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। भारतीय समाज उन्नति मंडल के 31वें वर्धापन दिन के निमित्त विधायक कुमार आयलानी वीनस चौक स्थित ओम साईं बैंक्वेट हाल में पहुंचे जहां पर मुख्य अतिथि के तौर पर टेक्सटाइल मंत्री संजय सावकारे वहां पर उपस्थित थे। मंडल के लोगों द्वारा विधायक कुमार आयलानी का भव्य सत्कार किया गया। इस दौरान आमदार कुमार आयलानी ने कैबिनेट मंत्री संजय सावकारे से भेंट की। और परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त किए हुए विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधर्या व शहर के तमाम गणमान्य नागरिक शामिल थे।

शिवसेना के 59वें स्थापना दिवस पर भव्य पार्टी प्रवेश कार्यक्रम सम्पन्न

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। एवर शाईन, वसई स्थित शिवसेना मध्यवर्ती कार्यालय में शिवसेना के 59वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपशहर प्रमुख नवीन कदम के सहयोग से सैकड़ों की संख्या में नए कार्यकताओं ने शिवसेना में प्रवेश किया।यह आयोजन वंदनीय हिंदुहृदयसम्राट शिवसेनाप्रमुख बाळासाहेब ठाकरे के आशीर्वाद से, तथा शिवसेना के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र राज्य के उपमुख्यमंत्री माननीय एकनाथजी शिंदे, पालघर जिला संपर्क प्रमुख रविंद्र फाटक, तथा जिला प्रमुख निलेशजी तेंडोलकर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला संघटिका श्रीमती शीतल कदम, उपजिल्हा प्रमुख अनिल चव्हाण, उपशहर प्रमुख श्रीकांत जाधव, महिला उपशहर संघटिका सोनल ठाकुर, महिला विभाग संघटक अनीता पानेकर, तथा अनेक शिवसैनिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नालासोपारा डिपो को मिलीं पांच नई बसें, विधायक राजन नाईक ने जताया आभार

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा बस डिपो को आज बड़ी राहत मिली जब महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन मंडल (एमएसआरटीसी) ने यहां पांच नई बसें उपलब्ध कराईं। वर्षों से डिपो की खस्ताहाल बसों के कारण यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

बसों की बदतर हालत–टूटे शीशे, फटी सीटें, छत से टपकता पानी और तेज इंजन की आवाज–के चलते यात्रियों ने विधायक राजन नाईक से शिकायत की थी। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए विधायक ने 8 मई 2025 को एमएसआरटीसी पालघर संभागीय नियंत्रक को पत्र लिखकर नालासोपारा को भी अन्य डिपो की तरह नई बसें देने की मांग की थी।

विधायक की मांग पर संज्ञान लेते हुए आज नालासोपारा डिपो में पांच नई बसों का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। दोपहर 1 बजे हुए इस कार्यक्रम में विधायक राजन नाईक, निगम कर्मचारी नेता पेंढारी दादा, डिपो प्रमुख गावित, भाजपा जिला उपाध्यक्ष मनोज बारोट, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष विनीत तिवारी सहित कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता व एसटी निगम के कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक राजन नाईक ने महायुति सरकार का आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह कदम नालासोपारा के हजारों यात्रियों के लिए बड़ी राहत साबित होगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि शेष बसों के लिए भी प्रयास जारी रहेंगे।

प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल पुनः श्री रामलीला उत्सव समिति का अध्यक्ष चुना गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री रामलीला उत्सव समिति पार्क साईट की वार्षिक सभा 22 जून दिन रविवार को रेखा अपार्टमेंट अमृतनगर घाटकोपर वेस्ट मुंबई में सभा का आयोजन किया गया। जिसमें समिति के पूर्व अध्यक्ष स्व.चंद्रशेखर शुक्ल और विमान हादसे में मारे गए दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई ।तत्पश्चात प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल को समिति का पुनः दूसरी बार सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया तथा समिति के अन्य पदाधिकारी यथावत बने रहने का जोरदार समर्थन हुआ। और गत वर्ष का आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा आयोजित आगामी 22 सितम्बर से 3 अक्टूबर 2025 तक रामलीला मंचन, राम बारात शोभा यात्रा,विजयदशमी एवं कवि सम्मेलन की तैयारी हेतु विचार विमर्श किया गया। नव नियुक्त अध्यक्ष प्रभाकर शुक्ल का समिति के रामबिलास पाठक,दिवाकर मिश्र, श्रीनाथ पांडेय, आदेश मिश्र, दलजीत पांडेय, सर्वदेव पांडेय,विमलेश मिश्र,रत्नेश शुक्ल,बृजेश शुक्ल,दिनेश सिंह,अरविंद शुक्ल,राजन सिंह,अनिल सिंह,शुभम सिंह,ब्रह्मदेव

दुबे,राजेश सिंह,अवधेश तिवारी,रामतीरथ शर्मा,मोहन श्रीवास्तव,संदीप दुबे, नीरज शुक्ला, राजीव पांडेय,शैलेन्द्र गुप्ता,प्रेम तिवारी,तपस्वी चौरसिया, रमापति यादव,राजेश पांडेय,सुधाकर मिश्र संजय मिश्रा सहित उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। अपने संबोधन में प्रभाकर शुक्ल ने कहा कि आप सब के सहयोग और समर्थन में आगामी रामलीला मंचन कार्यक्रम को एक नई ऊंचाई देने का प्रयास किया जायेगा और अंत में समिति मीडिया प्रभारी एस ईओ आदेश मिश्र ने आए हुए समिति के सभी गणमान्य लोगों के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

आदिवासी पारधी समाज के बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा में लाने के लिए उल्लेखनीय प्रयास

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आदिवासी पारधी समाज आज भी विकास की मुख्य धारा से कोसों दूर है। शासन प्रशासन की ओर से इस समाज के विकास के लिए आज तक कोई प्रयास नहीं किया गया। ऐसे में आदिवासी पारधी महासंघ मुंबई एवं नवी मुंबई के अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार के प्रयासों से घनसोली, महापे एम आई डी सी की झोपड़पट्टी में निवास करने वाले आदिवासी पारधी समाज के 50 अशिक्षित बच्चों का नेरुल के एक स्कूल में प्रवेश दिलवाया ।इसके अलावा इन बच्चों के खाने पीने व पढ़ाई में लगने वाली शैक्षणिक सामग्री को उपलब्ध कराने का बीड़ा उठाया है।

बता दें कि नवी के घनसोली, महापे एम आई डी सी की झोपड़पट्टी में बड़ी संख्या में आदिवासी पारधी समाज के लोग गुजर बसर कर रहे हैं। इस समाज के अधिकतर बच्चे सिग्नल के आस पास भीख मांगकर जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसे में आदिवासी पारधी समाज महासंघ मुंबई व नवी मुंबई विभाग के अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार ने सिग्नल के आस पास भटकने वाले बच्चों को शिक्षा दिलाने के लिए उनके अभिभावकों से चर्चा कर उन्हें शिक्षा की मुख्य धारा में लाने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किया। इस अभियान में बटू सावंत सर संतोष धुमक सर ने अहम भूमिका निभाई। इन बच्चों को शिक्षा के लिए प्रतिदिन नेरुल के स्कूल में भेजा जाएगा। वे इन बच्चों के अभिभावकों को समझाएंगे की आज के दौर में शिक्षा की कितनी आवश्यकता है? और बच्चों को स्कूल भेजेंगे। अभिभावकों को भी समझ में आएगा कि पारधी समाज शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए ।

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर खालसा कॉलेज में भव्य योग कार्यक्रम आयोजित

मुंबई(उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मुंबई स्थित गुरु नानक खालसा कॉलेज, माटुंगा में द ह्यूमन योगा फाउंडेशन, वर्ली के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन कॉलेज की सह-निदेशक डॉ. जसवीर कौर के मार्गदर्शन में हुआ। इस विशेष अवसर पर कॉलेज के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कॉलेज के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं भी योग कार्यक्रम में सक्रिय रूप से सम्मिलित हुए, जिससे कार्यक्रम को अत्यधिक लोकप्रियता प्राप्त हुई। कार्यक्रम का नेतृत्व अंतरराष्ट्रीय गोल्ड मेडलिस्ट योगाचार्य राधेश्याम जयसवार ने किया। उन्होंने योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास कराते हुए उनके लाभों की बारीकी से जानकारी दी। उनकी कुशल मार्गदर्शन में उपस्थित सभी विद्यार्थी और शिक्षक योग क्रियाओं से लाभान्वित हुए। योग गुरु राधेश्याम जयसवार का साथ देने के लिए मनीषा टैंकर, नीरज योग शिक्षक, संजय और जायसी जैसे अनुभवी सह-योग प्रशिक्षकों की टीम भी मौजूद रही। इन सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाया। कार्यक्रम के समापन पर कॉलेज की सह-निदेशक डॉ. जसवीर कौर ने अपनी प्रसन्नता जाहिर की और योग टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में शारीरिक और मानसिक संतुलन बनाए रखने में अत्यंत सहायक होते हैं।

अंधेरी में भाजपा द्वारा निःशुल्क चश्मा वितरण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंधेरी (पूर्व) के पंप हाउस स्थित महाकाली स्पोर्ट्स कबड्डी मैदान में रविवार को भाजपा मुंबई सचिव व अजय चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय तिवारी की ओर से एक विशाल निःशुल्क चश्मा वितरण, निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन रजिस्ट्रेशन, बच्चों के खून की जांच की सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया । प्रियदर्शिनी सामाजिक संस्था , तारागण नेत्रालय व सिद्धिविनायक डायग्नोस्टिक्स सेंटर के संयुक्त प्रयास से यह आयोजन सम्पन्न हुआ। इस आयोजन का मकसद सभी बड़े बुजुर्ग लोगों को निःशुल्क में चश्मा मिल सके और लोगों की सेवा हो सके ।कार्यक्रम में लोगों का उत्साह देखने लायक था और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता का माहौल साफ दिखाई दिया। कार्यक्रम में सिद्धिविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज की। उत्तर पश्चिम जिला अध्यक्ष श्री ज्ञान मूर्ति शर्मा साथ में मंडल अध्यक्ष राखी गुप्ता व बीजेपी की वार्ड के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे ।अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि समाज के सभी वर्गों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाना अत्यंत आवश्यक है, और ऐसे आयोजनों से जनसेवा को नई दिशा मिलती है। इस अवसर पर शिबिर के आयोजक भाजपा मुंबई सचिव एवं अजय चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री अजय तिवारी ने बताया– पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी का एक वक्तव्य मुझे याद आता है उन्होंने कहा था जो भी काम करिए गंभीरता से करिए और जब तक उस काम में सफल न हो जाइए तब तक लगे रहिए इसी विचारधारा को आगे बढ़ते हुए मैं संकल्प के साथ समाज के कार्यों में हमेशा लगा रहता हूं हमारा प्रयास है कि समाज सेवा केवल शब्दों से नहीं बल्कि जरूरत मंद लोगों तक पहुंच कर किया जाए, इस तरह का आयोजन विगत कई वर्षों से करता रहता हु । आयोजन में आए हुए सभी अतिथियों का बहुत बहुत आभार व आयोजन टीम के सभी सदस्यों का आभार।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हैबिल्ड ने रचा इतिहास

मुंबई। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक प्रभावशाली उत्सव के रूप में, भारत का पहला आदत-निर्माण मंच हैबिल्ड ने दुनिया की सबसे बड़ी ऑनलाइन योग कक्षा में भागीदारी का नया विश्व रिकॉर्ड बनाकर एक वैश्विक कीर्तिमान स्थापित किया है। ऑफिशियल वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा प्रमाणित इस आयोजन में 21 जून की सुबह 7,52,074 प्रतिभागियों ने 169+ देशों से एक साथ जुड़कर, सौरभ बोथरा द्वारा आयोजित एक समन्वित और मार्गदर्शित योग सत्र में भाग लिया। यह 45 मिनट का सत्र नागपुर से लाइव स्ट्रीम किया गया और वैश्विक स्तर पर सभी के लिए सुलभ था। इसमें 169 से अधिक देशों के योग साधकों ने भाग लिया, जिससे यह सबसे समावेशी और व्यापक योग आयोजनों में से एक बन गया। अब तक यह हैबिल्ड का पाँचवां विश्व रिकॉर्ड है। जनवरी 2024 में, इसने यूट्यूब पर योग लाइव स्ट्रीम को 2,46,252 दर्शकों के साथ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया था। इसके बाद वर्ल्ड रिकॉर्ड यूनियन द्वारा सबसे ज्यादा एक दिन की लाइव व्यूअरशिप (5,99,162 दर्शक) और एक वर्चुअल ध्यान सत्र में सबसे बड़ी भागीदारी (2,87,711 प्रतिभागी) के लिए भी रिकॉर्ड बनाया। 2023 में भी हैबिल्ड ने 1,34,057 प्रतिभागियों के साथ वर्चुअल योग कक्षा का रिकॉर्ड अपने नाम किया था।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.**- 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

मेहनगर मे बच्ची से दरिंदगी करने वाला आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

मेहनगर, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले के मेंहनगर थाना क्षेत्र की पांच वर्षीय मासूम से दरिंदगी करने वाले देवइत गांव निवासी आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। शनिवार रात करीब 9.20 बजे थाना प्रभारी अनुराग कुमार अपनी टीम के साथ देवरिया राजधरपुर गांव के पास आरोपी की घेराबंदी कर रहे थे।तभी भागने की कोशिश कर रहे आरोपी ने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लग गई। उसे घायल अवस्था में तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया।जहां उसका इलाज चल रहा है। उधर, पांच वर्षीय मासूम के साथ हुई अमानवीय घटना के बाद से ही क्षेत्र में भारी आक्रोश था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को पकड़ने के लिए लगातार दबिश दी। शनिवार रात को मिली सफलता से स्थानीय लोगों में थोड़ी राहत जरूर है। एसएसपी हेमराज मीना ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है और विधिक कार्रवाई की जा रही है। घायल आरोपी का अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है शुक्रवार की देर शाम जब बच्ची के माता-पिता किसी जरूरी काम से बाजार गए हुए थे। तभी पड़ोस का युवक घर में अकेली बच्ची को देखकर घुस आया और उसके साथ दुष्कर्म जैसा जघन्य कृत्य किया।बाजार से लौटने के बाद जब माता-पिता ने बच्ची की हालत देखी, तो उनके होश उड़ गए। फौरन बच्ची को अस्पताल पहुंचाया और स्थानीय थाने में जाकर आरोपी के खिलाफ नामजद तहरीर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया।

पूर्वांचल में उद्योग अकादमिक सहयोग की अपार संभावनाएंः संजीव कोठारी

उद्योग-अकादमिक संपर्क कार्यक्रम के अंतर्गत संगोष्ठी का हुआ आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आइक्यूएसी के द्वारा आर्यभट्ट सभागार में शनिवार को उद्योग-अकादमिक संपर्क कार्यक्रम के अंतर्गत उद्योग-अकादमिक सहयोग के माध्यम से अगली पीढ़ी की प्रतिभा को सशक्त बनानाः रणनीतियाँ और आगे का रास्ता विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पीयू-कैट 2025 के ब्रोशर का विमोचन भी किया गया।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अडानी इंफ्रा इंडिया लिमिटेड के रणनीति एवं डिजिटल सलाहकार एवं पूर्व प्रमुख तकनीकी-वाणिज्यिक संजीव कोठारी ने कहा कि पूर्वांचल में उद्योग अकादमिक सहयोग की अपार संभावनाएं है। उद्योग और अकादमिक समन्वय का दोनों को फायदा मिलता है। इंडस्ट्री का फायदा है कि उन्हें कुशल लोग मिल जाते है और उन्हें प्रशिक्षण नहीं देना पड़ता। अकादमिक लाभ शिक्षक प्रशिक्षण, प्रासंगिक पाठ्यक्रम, बेहतर प्लेसमेंट, वित्तपोषित प्रयोगशालाएँ और अनुसंधान है।उन्होंने कहा कि उद्योग और अकादमिक संस्थानों के बीच गैप को हटाना होगा। साथ ही डिग्रीधारी युवाओं के कौशल की गुणवत्ता को बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि डिग्री बस एक शुरूआत है। ज़िंदगी का हर कदम इम्तिहान है। अंक नहीं, हौसला रंग लाता है, सपनों की राह साहस दिखाता है।उन्होंने कहा कि संस्था और अकादमी संस्थाओं के साथ समन्वय की बहुत सारी चुनौतियां हैं।उद्योगों को चिन्हित कर अकादमी संस्थानों को तैयारी करनी चाहिए। उद्योग के साथ विद्यार्थियों का इंगेजमेंट बहुत आवश्यक है। अकादमी संस्थान उद्योग से संपर्क करें और यह जाने कि उनकी क्या जरूरत है और उसके अनुरूप पाठ्यक्रम का निर्माण करें।कुलपति प्रो वंदना सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के ज्ञान का उपयोग अगर उद्योग नहीं पा रहे है तो यह चिंता का विषय है। उद्योग और अकादमिक दूरी को कम किया जाएगा। विश्वविद्यालय इस दिशा में हर स्तर पर काम करेगा। उन्होंने कहा कि उद्योगों के साथ मिलकर शोध भी किया जायेगा जिससे अधिक से अधिक लोगों को उसका लाभ मिल सके।इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, सेंट्रल ट्रेनिंग, प्लेसमेंट एंड एक्यूवेशन सेंटर के प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रबंध अध्ययन संकाय के अध्यक्ष प्रो. अजय द्विवेदी ने भी विचार प्रस्तुत किए।कार्यक्रम का संचालन आइक्यूएसी के समन्वयक प्रो. गिरिधर मिश्र ने एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ धीरेन्द्र चौधरी ने किया।इस अवसर पर पूर्व कुलसचिव बी एल आर्य, प्रो. मानस पांडे, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. राजेश सिंह, प्रो. अजय प्रताप सिंह, शिक्षक संघ के अध्यक्ष राहुल सिंह, महामंत्री शैलेन्द्र सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. देवराज, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. बीडी शर्मा, प्रो. संदीप सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. आशुतोष सिंह , डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. रसिकेश, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव , डॉ. आई. आर. पाठक, डॉ. प्रियंका सिंह समेत परिसर एवं महाविद्यालयों के शिक्षक शामिल रहे।

इंडस्ट्री के साथ मिलकर करेंगे शोध- कुलपति

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना से लोग बन रहे हैं स्वावलंबी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी डा0 सीमा सिंह राणा ने अवगत कराया कि उद्यान विभाग में पी0एम0एफ0एम0ई0 योजनान्तर्गत लोगो को स्वावलंबी बनाया जा रहा है। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा योजना से लाभान्वित उद्यमी गोबिन्द मोदनवाल ग्राम-सहाबुद्दीनपुर, तहसील- सदर जनपद जौनपुर के यहां जा कर उनके उद्योग के बारे जानकारी ली गई। गोबिन्द मोदनवाल द्वारा बताया गया कि वह पहले बेरोजगार थे और वह स्वावलंबी बनना चाहते थे। उनको इस योजना की जानकारी समाचार पत्रों तथा कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी द्वारा जानकारी प्राप्त हुई कि उद्यान विभाग में चल रही पी0एम0एफ0एम0ई0 योजना के अन्तर्गत बेकरी उद्योग के लिए सुविधा उपलब्ध है, जिसमें उद्यमी को अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। पूरी जानकारी प्राप्त कर गोबिन्द मोदनवाल ने आनलाइन पंजीयन उद्यान विभाग में पी0एम0 एफ0एम0ई0 योजना के अन्तर्गत बेकरी उद्योग के लिए कराया। प्रारम्भिक पूंजी के रूप में उन्होंने 10 लाख रू० स्वयं से उद्योग में लगाया तथा पी0एम0 एफ0एम0ई0 योजना के अन्तर्गत कैपिटल सब्सिडी के रूप में 35 प्रतिशत अनुदान देय है। उद्योग लगाने के पश्चात 60 से 70 हजार रू० का प्रति माह शुद्ध लाभ प्राप्त हो रहा है। पहले वह स्वयं बेरोजगार थे पर अब वह चार लोग को खुद रोजगार दे रहे है। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि किसी भी प्रकार की खाद्य प्रसंस्करण इकाई लगाने हेतु डिस्ट्रिक रिसोर्स पर्सन सौरभ पटेल मो0न0- 8934057791 आदित्य मौर्या मो0न0-7460034538, सुरभित गुप्ता मो0न0-9336522071, अशोक पाठक मो0न0- 7355529239 करन सिंह मो0न0-9151789106 से सम्पर्क किया जा सकता है अथवा किसी भी कार्य दिवस में जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में संपर्क कर सकतें है।

हिन्दु धर्म के आराध्य श्री राम पर अशोभनीय टिप्पणी करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम ने हिन्दु धर्म के आराध्य श्री राम पर अशोभनीय/अमर्यादित टिप्पणी करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार।आज दिनांक-22.06.2025 को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक शिकायत प्राप्त हुई जिसमें राजकुमार गौतम पुत्र दिलीप निवासी प्यारेपुर थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर द्वारा हिन्दु धर्म के आराध्य श्री राम पर अशोभनीय/अमर्यादित टिप्पणी कर सोशल मीडिया पर अपलोड की गई थी। उक्त शिकायत का संज्ञान लेकर थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम द्वारा इंस्टाग्राम पर हिन्दु धर्म के आराध्य श्री राम पर अशोभनीय/अमर्यादित टिप्पणी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-381/25 धारा-299 बीएनएस पंजीकृत किया गया है। आवश्यक विधिक कार्यवाही कर आरोपी उपरोक्त को न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा।

पत्नी से विवाद होने पर युवक ने खुद को मारी गोली, जिला अस्पताल रेफर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रतापगढ़ जिले के थाना आसपुर देवसरा क्षेत्र के ग्राम पुरे में रविवार सुबह एक युवक ने पारिवारिक विवाद के चलते खुद को गोली मारकर आत्महत्या का प्रयास किया। घायल युवक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया है।घटना के अनुसार विकास यादव (32 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय राम लखन यादव, निवासी ग्राम पुरे, रविवार सुबह अपनी पत्नी से ?1000 की मांग कर रहा था। इसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी और विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर विकास यादव ने घर से कुछ दूरी पर जाकर तमंचे से खुद को गोली मार ली।परिवार के लोगों ने उसे घायल अवस्था में तत्काल बदलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।घटना की जानकारी मिलते ही थाना अध्यक्ष आसपुर देवसरा मौके पर पहुंचे और फिर जिला अस्पताल जाकर घायल युवक का हालचाल लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

रेलवे लाइन पर मिला युवक का शव मचा कोहराम

गुड़िया राज चांदवक, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पतरहीं चौकी क्षेत्र अंतर्गत औड़िहार-जौनपुर रेलखंड पर भोर में एक युवक की मालगाड़ी से कटकर दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना दुधौड़ा रेलवे स्टेशन के पास हुई, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई।मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान हिसामपुर गांव निवासी 25 वर्षीय राजन पुत्र रामसमुझ के रूप में हुई है। राजन विगत कई वर्षों से अपनी ससुराल बिसौरी गांव (पतरहीं के बगल) में रह रहा था। वह कब और कैसे रेलवे ट्रैक तक पहुंचा। इसकी जानकारी परिजनों को भी नहीं हो सकी। घटना की सूचना पर चौकी प्रभारी धर्मेंद्र दत्त मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी की। इस दर्दनाक हादसे से गांव व परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई है।

सरपतहां में विषैले जन्तू के काटने से सो रहे दम्पत्ति की मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना क्षेत्र के पट्टीनरेन्द्रपुर गांव में रविवार सुबह सो रहे दम्पत्ति को विषैले जन्तू के काटने से मौत हो गई। मृतक 50 वर्षीय दिनेश और 47 वर्षीय सोना को सोते समय विषैले जीव ने काट लिया था। परिवार वाले दिनेश को इलाज के लिए पटैला ले गए।जहां चिकित्सक ने उसे अन्यत्र रेफर कर दिया, लेकिन बदलापुर जाते समय रास्ते में दिनेश की मौत हो गई। इससे पहले भोर में ही सोना ने दम तोड़ दिया था। मृतक दंपती की तीन संतान हैं,बड़ी बेटी प्रीती की शादी हो चुकी है।जबकि बेटी गुड़िया और बेटा प्रियांशु की शादी नहीं हुई है। दिनेश विल्डिंग मैटेरियल की दुकान पर मेहनत- मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। अब बच्चों का भविष्य अधर में है। खासकर प्रियांशु के पैर का इलाज और गुड़िया की शादी कैसे होगी।परिवार में एक साल के भीतर चार लोगों की मौत हो चुकी है। जिसमें मृतक के भाई महेंद्र और दूसरे भाई सुबाष की पत्नी की मौत भी शामिल है। इससे परिवार गहरे सदमे में है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

सड़क दुर्घटना में एक कि मौत सात घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय क्षेत्र में रविवार की शाम दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। जबकि पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। मृतक का शव जिला अस्पताल के मर्चरी हाउस में रखवा दिया गया ।पुलिस के अनुसार सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कोइरीडीहा निवासी 22 वर्षीय रवनीत गुप्ता पुत्र रमेश गुप्ता बाइक से डोभी -डंडसौली मार्ग से कहीं जा रहा था। उसकी बाइक पर निशा पुत्री सुरजीत निवासी महमदपुर थाना खुटहन और सुषमा पुत्री प्यारेलाल निवासी सिंधाई थाना शाहगंज बैठी थी। डंडसौली की तरफ से एक बाइक पर राजन पुत्र सुरेन्द्र निवासी डंडसौली, गुलशन पुत्र राजेश कुमार निवासी सुरहन थाना दीदारगंज आजमगढ़ और गोलू खेतासराय की तरफ आ रहे थे। डोभी -डंडसौली के बीच श्मशानघाट के पास दोनों बाइक आमने-सामने टकरा गई।

मोबाइल नंबर व आधार नंबर अंकित नहीं कराने पर चार पहिया वाहनों को सीज व चालान की कार्यवाही की जाएगी यातायातः प्रभारी सुशील

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यातायात प्रभारी सुशील मिश्रा के नेतृत्व में यातायात पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया गया जिसमें शहर क्षेत्र में चलने वाले सभी ऑटो ई-रिक्शा व अन्य सवारी वाहनों को पुलिस लाइन यातायात कार्यालय बुलाकर उनके वाहन पर चालक के नाम मोबाइल नंबर व उनके आधार कार्ड नंबर अंकित कराए गए, आज कुल 220 वाहनों पर वाहन चालक का नाम मोबाइल नंबर व आधार नंबर अंकित किया गया । साथ ही साथ जो भी वाहन अभी छूट गए हैं उनको सूचित किया जाता है कि एक सप्ताह के अंदर प्रत्येक दिवस दोपहर 12:00 से 15:00 बजे तक वह अपने वाहन के साथ पुलिस लाइन यातायात कार्यालय उपस्थित होकर अपने वाहन पर चालक का नाम, मोबाइल नंबर तथा आधार कार्ड नंबर अवश्य अंकित करा ले, अन्यथा एक सप्ताह बाद विशेष अभियान चलाकर चालक का नाम, मोबाइल नंबर व आधार नंबर अंकित नहीं कराए गए वाहनों पर सीज व चालान की कार्यवाही की जाएगी ।दो पहिया वाहनों पर बिना हेलमेट लगाए व तीन सवारी तथा चार पहिया वाहन पर बिना सीट बेल्ट लगाये चलने वालो की चेकिंग करते हुए, उल्लंघन करने वालों पर चालान की कार्यवाही किया गया ।

ट्यूबल के पास मिला 16 वर्षीय युवक का शव

-मुहम्मद आरिफ

बिंद्राबाजार, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले के गंभीरपुर थाना क्षेत्र के रानीपुर रजमो गांव मे महेंद्र वकील के ट्यूबल के पास शनिवार की शाम 5:00 बजे लगभग ग्रामीणों ने एक शव को देखा। जिसकी सूचना मिलते ही लोगों की काफी भीड़ इकट्ठा हो गई।जिसकी सूचना थाना गंभीरपुर पुलिस को दी गई मौके पर जब पुलिस पहुंची तो शव की पहचान साहिल 16 वर्ष पुत्र सतिराम निवासी गंभीरपुर के रूप में हुई। जानकारी के मुताबिक गंभीरपुर थाना क्षेत्र के गंभीरपुर गांव निवासी साहिल 16 वर्ष पुत्र सतिराम शुक्रवार की शाम से ही लापता था।घर वाले काफी खोजबीन किया लेकिन उसका कहीं सूराख नहीं चला सका ,शनिवार की दोपहर में साहिल के पिता सतिराम ने पुलिस को गुमशुदगी की तहरीर दी, उसके बाद पुलिस भी जांच पड़ताल में जुट गई ।शनिवार की लगभग शाम 5:00 बजे थाना क्षेत्र की रानीपुर रजमो महेंद्र वकील के ट्यूबल के पास एक शव मिलने की सूचना मिली सूचना मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई ।मौत की सूचना मिलते ही पूरे परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के गले में निशान पाया गया। मृतक तीन भाई चार बहन में तीसरे नंबर पर था। मृतक की माता राधा देवी समेत पूरे परिवार का रो रो कर बुरा हाल है। मृतक के पिता सतिराम व भाई राहुल ने जमीन के विवाद को लेकर हत्या की आशंका जताई है। परिवार वालों के तरफ से तहरीर दे दी गई है।

जौनपुर में पारिवारिक विवाद में मंद बुद्धि युवक कुएं में कूदा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद स्थानीय थाना क्षेत्र के कजगांव के जेठपुरा मुहल्ले में रविवार को पारिवारिक विवाद के चलते एक मंदबुद्धि युवक ने कुएं में छलांग लगाकर आत्म हत्या का किया प्रयास हुआ घायल जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची जफराबाद पुलिस ने फायर ब्रिगेड टीम को तुरंत बुलवाकर उक्त युवक को कुएं से बाहर निकलवाया और उपचार के लिए उसे जिला अस्पताल भेजवाया।रियाजुल के मुताबिक सरफराज अहमद पुत्र मोहम्मद इलियास उम्र 32 वर्ष निवासी जेठपुरा थाना जफराबाद जौनपुर जो मंदबुद्धि का व्यक्ति है, ने पारिवारिक विवाद के चलते घर के पास स्थित कुएं में आत्म हत्या की नियत से छलांग लगा दिया। संयोग अच्छा था कि वह मरा नहीं, बल्कि घायल हो गया। सूचना पाते ही तत्काल जफराबाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और फायर यूनिट के सहयोग से उसे बाहर निकलवाकर उपचार हेतु उसे जिला अस्पताल भेज दिया गया। इस घटना को लेकर लोगों में तरह-तरह की चचार्एं व्याप्त है।

जौनपुर :डी एम द्वारा विसर्जन घाट पर गोमती नदी में सिल्ट सफाई के कार्य का औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा विसर्जन घाट पर गोमती नदी में सिल्ट सफाई के कार्य का औचक निरीक्षण किया गया।मंत्री नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा, अतिरिक्त ऊर्जा ए. के. शर्मा द्वारा 21 जून को गोमती नदी के किनारे जमा सिल्ट व गंदगी के सफाई हेतु नए पोकलैंड मशीन का पूजन कर सफाई कार्य का शुभारंभ किया गया था।इसी क्रम में जिलाधिकारी द्वारा स्थलीय निरीक्षण करते हुए अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद जौनपुर पवन कुमार को निर्देशित किया गया कि सिल्ट सफाई के कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करें। वर्षा से पूर्व यह कार्य अवश्य पूर्ण हो जाना चाहिए। गोमती घाट के किनारे हुए सौंदर्यीकरण के दौरान मलबे का सही से निस्तारण न किए जाने पर कार्यदाई संस्था के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए टीम लगाकर सिल्ट सफाई के कार्य में सहयोग करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि गोमती नदी यहां के लोगों के लिए आस्था का केंद्र है तथा त्योहारों पर लोगों द्वारा पूजन अर्चन किया जाता है।इसके दृष्टिगत सिल्ट सफाई अत्यंत आवश्यक है। शीघ्र ही इस कार्य को पूर्ण कर लिया जाएगा। इस अवसर पर ईओ नगर पालिका, स्टाफ, सफाई कर्मचारी, सहित अन्य उपस्थित रहे।

जौनपुर में घर से बुला कर अज्ञात लोगों ने की युवक की हत्या

-रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले बक्शा अंतर्गत तेजीबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत में रविवार सुबह एक 25 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह सनसनीखेज वारदात जंगीपुर गांव के पास चितौड़ी निवासी छोटेलाल उर्फ मयंक गौतम पुत्र स्वर्गीय बांकेलाल के साथ हुई। जिसकी लाश गांव के पास स्थित बगीचे में बरामद हुई। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ अज्ञात लोग सुबह लगभग 10:00 बजे युवक को उसके घर से बुलाकर पास के बगीचे में ले गए, जहाँ सीने में गोली मारकर उसकी हत्या कर दी गई। परिजनों को घटना की जानकारी काफी देर से मिली, और हैरानी की बात यह रही कि पुलिस को भी सूचना देर से दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी तेजीबाजार दिव्य प्रकाश सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज के पास पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया । पुलिस हत्याकांड के खुलासे के लिए सघन जांच में जुटी है और घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों में इस हत्या को लेकर चर्चाओं का माहौल गर्म है। फिलहाल, हत्या के पीछे के कारणों का अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है।लेकिन पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।इस घटना कर पुलिस की तरफ से समाचार लिखे जाने तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

भरभरा के जमींदोज हुआ मकान,मलबे में दबी दो गायें, एक की हुई मौत

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति) ।जनपद के जैतपुरा थाना क्षेत्र के रानी फाटक में उस समय अफरा-तफरी मच गई।जब एक पुराना जर्जर मकान भरभराकर गिर गया। मकान का एक हिस्सा गिरने से आसपास के लोग दहशत में आ गए। तत्काल पुलिस को सूचना दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह मकान में बाबू यादव का है जिसमें वो अपने पूरे परिवार के साथ रहते हैं। आने वाले नवंबर माह में उनके बहन की शादी होने वाली है। इस हादसे के बाद परिवार और आस-पड़ोस में कोहराम मच गया। आसपास के लोगों ने बताया कि यह मकान करीब 100 साल पुराना था। ईंट और पत्थर भरभरा कर दो गायों पर गिर गई। इस दर्दनाक हादसे में एक गाय की जान चली गई। वहीं, दूसरी गाय को इलाज के लिए भेजा गया है। परिवार ने बताया कि बिजली कट जाने के कारण हम लोग थोड़ी देर के लिए बाहर निकले थे। इसी दौरान तेज धमाके की आवाज कानों में पड़ी ! हमारी आंखों के सामने ही जर्जर मकान भरभराकर जमींदोज हो गया।

जौनपुर में शुल्क न जमा करने पर पांच हजार वाहनों की आरसी होगी निरस्त

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वर्ष 2023-24 से अब तक चालान शुल्क नहीं जमा करने वाले 5894 वाहनों के पंजीकरण निरस्त किए जाने है। नियम तोड़ने वाले वाहन चालाकों पर ट्रैफिक पुलिस की ओर से शिकंजा कसते हुए बड़ी संख्या में ई- ई-चालान किए गए है, जिसका शुल्क जमा ही नहीं किया जा रहा है। इसमे कई तो ऐसे वाहन हैं, जिनका पांच से अधिक बार चालान हो चुका है। है ऐसे में अब ऐसे लोगों को कार्रवाई के दायरे में लिया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस की ओर से इसके लिए सम्मय दिया है। इसके बाद संबंधित वाहन नंबरों की जानकारी एआरटीओ कार्यालय को सीप इनके निरस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी।ट्रैफिक पुलिस की ओर से इसके लिए दिया गया समय बीत चुक है।संबंधित वाहन नंबरों की जानकारी एआरटीओ कार्यालय को देकर इनके निरस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कार्रवाई के दौरान सर्वाधिक तीन हजार दुपहिया वाहनों का चालान हुआ है। इसके अतिरिक्त 860 कामर्शियल वाहन सहित अन्य बस आटो व ट्रक शामिल है। नियम वाले इन वाहनों का चालान तो किया गया, लेकिन शुल्क जमा नहीं किया गया।

40 से 50 लाख है अब तक धन वसूली

चालान की धनराशि 40 से 50 लाख के करीब है। इनमें कई चालान न्यायालय स्तर पर लबित हैं। कई तो ऐसे वाहन हैं, जिनके चालान पांच से अधिक बार हो चुके हैं। टीएसआइ सुशील मिश्रा ने बताया कि जिन वाहनों का चालान हुआ है पंजीकृत मोबाइल नंबर पर संदेश गया होगा। बावजूद इसके शुल्क जमा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि संबंधित वाहनों के मालिक0 को जानकारी एआरटीओ कार्यालय को भेज दी गई है, जहां से जल्द ही आरसी निरस्त करने को प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

दवा खरीद कर जा रही दो लड़कियों के साथ छेड़खानी मारपीट

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अन्तर्गत महाराजगंज स्थानीय स्थानीय अनुमंडल क्षेत्र के भगवानपुर थाना अंतर्गत सरायपाली गांव में दो युवतियों के साथ छेड़ - छाड़ कर चाकू मारने का मामला प्रकाश में आया है। बताया जाता है कि सराय पड़ौली गांव की गांव की दो युवतियों दावा खरीद कर अपने घर जा रही थी , तभी रास्ते में गांव के ही कुछ मनचले लड़कियों के साथ जबरन छेड़छाड़ किया. लड़कियों ने जब मनचले का विरोध किया तो मनचलों ने मारपीट के दौरान चाकू से हमला बोल दिया जिससे लड़कियां जख्मी हो गई. दोनों को इलाज के लिए सिवान सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने स्थिति गंभीर देखते हुए रेफर कर दिया. जख्मी दोनों लड़कियां क्रमशः रूपा कुमारी व आरती कुमारी बताई जाती है। पुलिस जख्मी लड़कियों के घर पहुंच कर मामले की छानबीन और आरोपियों के धड पकड़ में लग गई है।

महाराजगंज जिला बनाओ संघर्ष समिति द्वारा योगी अंगद को दिया गया ज्ञापन

सिवान (उत्तर शक्ति)। बिहार सिवान जिला अन्तर्गत महाराजगंज को जिला बनाओ संघर्ष समिति के तरफ से योगी अंगद जी महाराज उर्फ बिहार वाले योगी जी को ज्ञापन सौंपा गया बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को देने के लिए योगी अंगद जी महाराज उर्फ बिहार वाले योगी जी ने कहा महाराजगंज से पटना दौड़ते हुए पैदल सीएम आवास जाएंगे और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी से मिलकर ज्ञापन सौंपेंगे और जिला घोषित करने का मांग करेंगे अगर जिला घोषित नहीं करेंगे तो वहीं पर अनिश्चितकालीन अनशन आंदोलन करेंगे जब तक जिला घोषित नहीं हो जाएगा महाराजगंज तब तक करते रहेंगे अगर इससे भी नहीं होगा तो जिंदा समाधि ले लेंगे इसके लिए हम तैयार हैं बहुत जल्द सीएम आवास पैदल यात्रा करेंगे योगी अंगद महाराज उर्फ बिहार वाले योगी जी ने कहा करो या मरो नारा के साथ यह अभियान पूरे महाराजगंज संसदीय क्षेत्र और विधानसभा क्षेत्र में अभियान चलाएंगे, पूरे जनता को जगाएंगे जागरूक करेंगे मौके पर उपस्थित रहे मारकंडेय सिंह, समाज सेवी आत्मा कुमार सिंह, अजय सिंह, अमित कुमार सिंह, विजय कुमार सिंह, तथा और भी गणमान्य उपस्थित थे।

विधायक की पहल पर 23 जून को बदलापुर बस स्टेशन पर कराई जाएगी संविदा चालकों की भर्ती

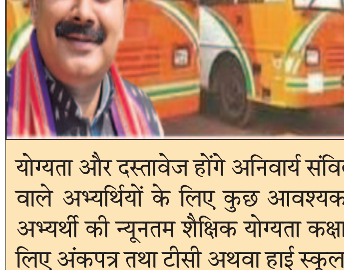

महराजगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर विधानसभा के विधायक रमेश चंद्र मिश्रा की पहल पर उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा 23 जून 2025, दिन सोमवार को सुबह 11:00 बजे को संविदा चालकों की भर्ती हेतु प्रकिया की जाएगी। शैक्षिक योग्यता और दस्तावेज होंगे अनिवार्य संविदा चालक पद हेतु आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के लिए कुछ आवश्यक योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। अभ्यर्थी की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा 8 उत्तीर्ण होनी चाहिए, जिसके लिए अंकपत्र तथा टीसी अथवा हाई स्कूल का अंक प्रमाण पत्र मान्य होगा। अभ्यर्थी के पास दो वर्ष पुराना वैध भारी वाहन ड्राइविंग लाइसेंस होना अनिवार्य है। साथ ही अभ्यर्थी की न्यूनतम लंबाई 5 फीट 3 इंच निर्धारित की गई है। आयु सीमा 23 वर्ष 6 माह से 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए प्रति किलोमीटर 2.06 के साथ मिलेंगे अन्य लाभ चयनित चालकों को ?2.06 प्रति किलोमीटर के हिसाब से पारिश्रमिक दिया जाएगा। यदि कोई चालक माह में 22 दिन ड्यूटी करता है और 5000 किलोमीटर वाहन संचालन करता है, तो उसे 3000 प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी। चालकों को वर्ष में 14 आकस्मिक अवकाश मिलेंगे। एक वर्ष की सेवा में 02 फ्री पास / 03 पी०टी०ओ० की सुविधा दी जाएगी। रात्रि में दूसरी जगह नाईट करने पर प्रति नाईट भत्ता रुपये 61.00 बी श्रेणी, रुपए 68.00 ए० श्रेणी दिया जायेगा। 2 ड्यूटी यूनिफार्म दिये जायेगे एवं सिलाई का भी भुगतान किया जायेगा।

विधायक मुरजी पटेल ने बोरवेल का किया उद्घाटन

मुंबई। अंधेरी (पूर्व) के पंपहाउस स्थित हंजरनगर कालोनी में वर्षों से चली आ रही पेयजल समस्या का अंत अब संभव हो गया है। स्थानीय विधायक मुरजी पटेल ने रविवार को यहां 12 इंच व्यास के बोरवेल का उद्घाटन कर कालोनीवासियों को बड़ी राहत दी। इस जनोपयोगी कार्य से क्षेत्र के लगभग 400 परिवारों को नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। इस अवसर पर हंजरनगर कालोनी में एक सादे समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। बोरवेल उद्घाटन के दौरान कालोनीवासियों ने विधायक मुरजी पटेल का जोरदार स्वागत करते हुए उनके इस प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मुरजी पटेल ने कहा, भौगोलिक संरचना की दृष्टि से वार्ड-79 मनपा के/पूर्व विभाग के मध्य छोर पर स्थित है, जहां पानी का प्रेशर अक्सर कम रहता है। जब जलस्त्रोतों में गिरावट आती है, तो इस क्षेत्र में पेयजल संकट और गहरा जाता है। हंजरनगर कालोनी की यह समस्या वर्षों पुरानी थी, जिसे मैंने अपने निजी निधि से स्थायी रूप से हल करने का प्रयास किया है। आशा है, इस बोरवेल से अब पानी की किल्लत नहीं होगी। इस अवसर पर पूर्व नगरसेवक सदानंद परब, भाजपा नेता अजय शुक्ला, जितेंद्र यादव, अविनाश भागवत, शेखर तावड़े, इमरान 'पप्पू', हंजरनगर मस्जिद कमेटी के जैनुल बोहरा, फारूख 'मुन्ना' शेख, शम्स जामा, सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

प्रजापति समाज विकास मंडल ने मेधावी छात्र-छात्रों में वितरित किया प्रतिभा सम्मान एवं निशुल्क नोटबुक

पनवेल, नवी मुंबई। रविवार 22 जून को प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. राष्ट्रीय सामाजिक संस्था ठऋ्ङ के तत्वावधान में समाज के हाई स्कूल व इंटरमीडिएट के मेधावी छात्र-छात्राओं को गणमान्य लोगों की उपस्थिति में प्रशस्ति- पत्र व प्रतीक चिन्ह (ट्रॉफी) देकर सम्मानित किया गया। ताकि उन्हें सामाजिक और मानवीय मूल्यों के विकास में अधिकाधिक सामर्थ्यवान बनाया जा सके एवं दूसरे भावी छात्रों के लिए प्रेरणा स्रोत बन सके।

इसके अंतर्गत दर्जनों छात्रों को सम्मानित किया गया। वहीं संस्था द्वारा करीब 150 जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री, नोट्स बुक, पेन, पेंसिल वॉटर बॉटल एवं फाइल आदि भी वितरित किया। जिसका लाभ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी.पी.प्रजापति ने एक विज्ञप्ति में बताया कि यह उपक्रम पिछले 21 वर्षों से हर वर्ष अनवरत किया जा रहा है। संस्था द्वारा अनेक सामाजिक कार्य जैसे वृक्षारोपण, मेडिकल कैंप, स्वच्छता अभियान आदि समय-समय पर किया जाता है। संस्था समाज के गरीब,जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को आर्थिक मदद भी प्रदान करती है। इस अवसर पर उपस्थित महानुभावों ने अपने संबोधन में कहा कि मेधावी छात्रों का सम्मान एवं शिक्षण सामग्री उनके प्रोत्साहन, उत्साह और मनोबल को बढ़ाने के लिए दिया जाता है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को भी चाहिए कि मेहनत करके पढ़ाई करें और अपने मां-बाप एवं समाज का नाम रोशन करें। मान्यवरों ने संस्था के कामकाज की सराहना भी किया। संस्था द्वारा बच्चों के लिए अल्पोहार आदि की भी व्यवस्था की गई थी। इसको सफल बनाने के लिए गजेंद्र प्रजापति- राष्ट्रीय मुख्य महासचिव, के.के.वर्मा-वरिष्ठ वैज्ञानिक बीएआरसी, प्रद्युम्न प्रजापति, डॉ.भगवान दास प्रजापति, सर्वजीत प्रजापति,इंदर प्रजापति, बंधु प्रजापति, जितेंद्र प्रजापति, महेश प्रजापति,राजेंद्र प्रजापति, संजय कुंभार, रोहित प्रजापति, अनूप प्रजापति, मोहन प्रजापति , रामआसरे प्रजापति, पवन कुमार प्रजापति, डॉ.ज्ञान प्रकाश प्रजापति, सागर प्रजापति, लव कुमार प्रजापति ,लोकनाथ प्रजापति, अशोक प्रजापति, कचरू खोवाल प्रजापति, भगवान दास प्रजापति,तूफानी प्रजापति, बलवंत प्रजापति, राकेश प्रजापति आदि ने विशेष रूप से मदद किया।

जौनपुर में तेरही का कार्ड बांटने गए दो भाई हुए सड़क हादसे का शिकार एक भाई की हुई मौत

जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के कल्याणपुर कबूलपुर गांव निवासी दो भाइयों की बाइक को मड़ियाहूं के चोरारी बाजार में एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिसमें छोटे भाई की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है।रियाजुल के अनुसार, कल्याणपुर गांव निवासी राजेंद्र प्रसाद की पत्नी इमिरता देवी का गुरुवार को निधन हो गया था। उनके दो पुत्र रमेश कुमार (40 वर्ष) और सदावृक्ष (28 वर्ष) बाइक से मड़ियाहू के बिजुरगा गांव में तेरहवीं का कार्ड देने गए थे। वापसी के दौरान चोरारी बाजार में अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से दोनों भाई सड़क पर गिर पड़े। बाइक चला रहे छोटे भाई सदावृक्ष की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि रमेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए और बेहोश हो गए।

थोड़ी देर में स्थानीय लोग और रिश्तेदार मौके पर पहुंचे और दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़ियाहूं ले जाया गया।जहां डॉक्टरों ने सदावृक्ष को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन शव को लेकर घर पहुंचे। ग्राम प्रधान रमेश चंद्र जायसवाल ने घटना की सूचना मड़ियाहूं कोतवाली को दी। कोतवाल ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के निर्देश दिए। परिजनों से पंचनामा भरवाकर आवश्यक कार्रवाई पूरी की गई हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है और परिजन गहरे सदमे में हैं। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है।

शिक्षक स्थानांतरण नीति स्वागतयोग्य : डॉ सीपू

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अन्तर्गत महाराजगंज में बिहार सरकार की नई शिक्षक स्थानांतरण नीति को डॉ सीपू कुमार आनंद ने ऐतिहासिक और स्वागतयोग्य बताया है।शिक्षक नेता डॉ आनंद ने कहा कि यह नीति वर्षों से स्थानांतरण की प्रतीक्षा कर रहे लाखों शिक्षकों के लिए राहत की सांस जैसी है। उन्होंने कहा कि इस पहल से शिक्षक संतुष्ट हैं। इसका असर प्रदेश के शैक्षणिक माहौल पर भी पड़ेगा। रजनीश कांत ने कहा कि जब शिक्षक अपनी पसंद के स्थान पर कार्यरत होंगे, तो वे बेहतर ढंग से पढ़ा सकेंगे। इससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। बिहार शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ेगा। उन्होंने शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ के प्रयासों की सराहना की है। कहा कि सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किया है। सरकार ने जिन शिक्षकों को अभी वांछित स्थान नहीं मिल पाया है, उनके लिए अलग से आवेदन लेने की घोषणा की है। शिक्षक नेता डॉ आनंद ने इसे संवेदनशील और सराहनीय निर्णय बताया।

देश में पत्रकारों का सबसे बड़ा संगठन बनेगा ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन : उदय प्रताप सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन, अब राष्ट्रीय विस्तार के बाद, देश का सबसे बड़ा पत्रकारों का संगठन बनेगा। यह विचार गोरेगांव में आयोजित ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रवक्ता उदय प्रताप सिंह ने व्यक्त किए। बैठक की अध्यक्षता ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के सचिव, वरिष्ठ पत्रकार नागेश्वर सिंह ने की। उन्होंने बताया कि एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता के मार्गदर्शन में महाराष्ट्र में संगठन की मजबूत प्रदेश इकाई के गठन के लिए यह बैठक आयोजित की गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रतिनिधि के रूप में वे इस बैठक में सहभागिता कर रहे हैं। विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित पंकज सिंह ने महाराष्ट्र में एसोसिएशन के गठन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वह हर संभव सहयोग करेंगे। बैठक का संचालन एसोसिएशन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष अतुल कपूर ने किया। मुख्य अतिथि उदय प्रताप सिंह ने कहा कि महाराष्ट्र में स्थानीय पत्रकारों के दो संगठनों के पत्रकारों से वे वार्ता करेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पत्रकारों के दोनों स्थानीय संगठन भी ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन को अपना समर्थन देंगे तथा पत्रकारों के सम्मान एवं सुरक्षा एवं सुविधाओं के लिए सहयोगी संगठन के रूप में एक मंच पर आकर सहभागिता करेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में संगठन के 10000 से अधिक सदस्य हैं। राष्ट्रीय विस्तार के बाद अब उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश और कर्नाटक में एसोसिएशन का गठन हो चुका है। बिहार, बंगाल एवं गोवा में संगठन के प्रदेश प्रभारी एसोसिएशन के गठन के लिए पत्रकारों से संपर्क कर रहे हैं।

बैठक में वरिष्ठ पत्रकार अमित कुमार सिंह ने कहा कि वह महाराष्ट्र के नवभारत टाइम्स, उत्तर शक्ति, सामना आदि हिंदी समाचार पत्रों के पत्रकारों के संपर्क में है। महाराष्ट्र प्रभारी पवन पांडे ने बताया कि वह नागेश्वर सिंह जी के मार्गदर्शन में तथा अमित कुमार सिंह से परामर्श करके महाराष्ट्र की प्रदेश इकाई के गठन की रूपरेखा तय कर रहे हैं। बैठक में प्रमुख रूप से राजेंद्र सिंह, कमलेश सिंह, डा. तारकेश्वर सिंह, गौरव सिंह एवं बृजेश सिंह आदि ने विचार व्यक्त करते हुए महाराष्ट्र में एसोसिएशन की शाखा के गठन में सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक के समापन पर अतुल कपूर ने सभी सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परस्पर विचार विनिमय के बाद सब की सहमति एवं नागेश्वर सिंह जी के अनुमति से महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता जी के अनुमोदन के बाद यथाशीघ्र की जाएगी। यह जानकारी अमित सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस योग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

आत्मा कुमार सिंह

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अन्तर्गत महाराजगंज में अंतराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर शनिवार को अनुमंडल मुख्यालय स्थित एक मैरेज हॉल में योगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाराजगंज क्रीड़ा भारती, विश्व भारती ग्लोबल स्कूल एवं नगर पंचायत के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी श्री हरिश्चंद्र, भाजपा नेत्री सह क्रीड़ा भारती की अध्यक्षा सुप्रिया जयसवाल, नगर पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि पवन कुमार गुप्ता, विश्व भारती स्कूल के निर्देशक सूरज बाबा, नगर पंचायत के स्वच्छता पदाधिकारी सोनाली छाया, क्रीड़ा भारती के प्रांत प्रमुख चंदन दुबे, क्रीड़ा भारती के संपर्क प्रमुख सह बाबा महेंद्रनाथ सेवा मंच के अध्यक्ष आत्मा सिंह, सुमन कुमार सेनानी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में पतंजलि के योगाचार्य सिद्धार्थ कुमार एवं राकेश कुमार के द्वारा योग करने की विधि सिखाई गई। योग कार्यक्रम में सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, धुर्वासन, व्यंघासन, हास्यासन आदि योग कराया गया तथा लोगों को जानकारी दिया गया।

कार्यक्रम में वार्ड पार्षद हरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, मनोज कुमार, नगर पंचायत सहायक प्रधान प्रत्यूष कुमार गौतम, श्रीनिवास सिंह, विद्याभूषण मिश्रा, राजू सिंह, सिपाही मांझी, उमेश चौधरी, स्वच्छता साथी ऋतिका सिंह, गीता कुमारी, प्रीति गुप्ता, तरुण कुमार, गोपी कुमार, विक्की कुमार, युवराज, आयुष, कृष, आकृति, कंगना, ऋतिका, आरोही बालवीर आदि मौजूद रहे।

प्रेमभूषण जी भारत की आत्मा को जीवंत रखने वाले संत हैं : तरुण चुग

लालशेखर सिंह

दिल्ली (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग के दिल्ली स्थित निवास पर पहुँचे पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज इस अवसर पर भाजपा नेता ने सपरिवार उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के पावन सान्निध्य और आशीर्वाद को पाकर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग अभिभूत हो गये। आओ गायें रामकथा घर घर में इस आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के पावन सान्निध्य, आशीर्वाद को पाकर भाजपा नेता तरुण चुग ने कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा, कि..आज अपने दिल्ली निवास पर परम पूज्यश्री प्रेमभूषण जी महाराज से सपरिवार भेंट कर भारत की सनातन परंपरा का दिव्य सान्निध्य और आध्यात्मिक आशीर्वाद प्राप्त हुआ।उनकी वाणी से निकली पंक्तियां३पता नही किस रूप मेंआकर नारायण मिल जाएगा.३ यह केवल भजन नही भारत की आस्था का आधार है। ऐसे संत भारत की आत्मा को जीवंत रखते हैं।

इस अवसर पर प्रेमभूषण महाराज के साथ बुंदेलखंड योगी के रूप में ख्याति प्राप्त तेजतर्रार युवा भाजपा नेता अर्पितदास जी महाराज भी उपस्थित थे।अर्पितदास महाराज उत्तरप्रदेश राज्य विकास समन्वय एवं निगरानी समिति ग्रामीण, विकास मंत्रालय (दिशा) भारत सरकार में सदस्य एवं उत्तर प्रदेश सरकार के उ.प्र.राज्य निर्माण सहकारी संघ लि.में डायरेक्टर के रूप में अपनी सेवा प्रदान कर रहे हैं। यह जानकारी लालशेखर सिंह ने दी है।

भारत की सनातन चेतना ही विश्वगुरु बनने का आधार : डॉ. दयाशंकर मिश्र

सुरेश गांधी

वाराणसी। सेंटर फॉर सनातन रिसर्च, उत्तर प्रदेश के संगठन विस्तार कार्यक्रम का भव्य आयोजन वाराणसी के सिगरा स्थित एक होटल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई. इस दौरान मुख्य अतिथि प्रदेश के आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु, पूर्व सांसद डॉ. विजय सोनकर शास्त्री, मां विंध्यवासिनी धाम के प्रधान अर्चक अगस्त कुमार द्विवेदी, विशालाक्षी देवी के महंत राजनाथ तिवारी, राष्ट्रीय संयोजक डॉ. रमन त्रिपाठी व प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक द्विवेदी गणेश सहित अन्य गणमान्यजनों ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके दौरान मुख्य अतिथि द्वारा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक द्विवेदी गणेश सहित उत्तर प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों को दायित्व प्रमाण पत्र सौंपा गया। नवगठित टीम में प्रदेश उपाध्यक्ष अवधेश तिवारी, अग्नि त्रिपाठी, महामंत्री संगठन श्रीशरंजन त्रिपाठी, प्रदेश मंत्री अभिषेक मिश्रा, दिल मोहन तिवारी, मंजू देवी, कोषाध्यक्ष एकनाथ पांडे, प्रवक्ता मीनाक्षी, मीडिया प्रभारी संदीप त्रिपाठी, और सह पदाधिकारी सौरभ पांडे, प्रकाश मिश्रा, आशीष प्रमुख हैं। जबकि संरक्षण मंडल में श्रीकांत मिश्रा (अर्चक विश्वनाथ मंदिर), कमल किशोर (पुजारी दुगार्कुंड), रोशन गिरी (प्रधान पुजारी काल भैरव), अभय पांडे (विधि अधिकारी बीएचयू), राजेश पांडे (जिला अध्यक्ष), अरविंद शुक्ला, डॉ. किरण पांडे, नित्यानंद त्रिपाठी, एवं दिवाकर द्विवेदी को शामिल किया गया।

समापन सत्र में वक्ताओं ने सनातन संस्कृति, वैदिक परंपराओं तथा धार्मिक जागरूकता के प्रचार-प्रसार पर जोर देते हुए युवा पीढ़ी को इससे जोड़ने का आह्वान किया। अंत में काशी सहित प्रदेश के जिलों से आएं संगठन के पदाधिकारियों व सनातनियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. दयाशंकर मिश्रा दयालु, ने कहा कि सनातन धर्म कोई संकीर्ण परिभाषा नहीं, बल्कि यह जीवन जीने की वह शाश्वत शैली है, जो हमें आत्मा, शरीर और मन के संतुलन का विज्ञान सिखाती है। यही भारत की आत्मा है, यही ऋषियों की साधना है, और यही वह मूल चेतना है जिसने इस देश को हजारों वर्षों तक विश्वगुरु बनाकर रखा। डॉ. मिश्रा ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं है, यह चेतना का जागरण है। यह आत्मा, शरीर और मन का समन्वय है। और यही समन्वय हमें अपने कर्तव्यों की ओर प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि 21 जून को विश्व योग दिवस ने पुनः सिद्ध किया है कि दुनिया आज भारत की ओर देख रही है, उस संस्कृति की ओर, जिसने न केवल शरीर को बल्कि आत्मा को भी पोषित किया है।

मंत्री ने भारत के गौरवशाली अतीत का उल्लेख करते हुए कहा कि नालंदा और तक्षशिला केवल विश्वविद्यालय नहीं थे, वे ज्ञान के तीर्थ थे। जहां दुनिया भर से विद्वान शिक्षा ग्रहण करने आते थे। भारत वह देश है जहां की लाइब्रेरी को जलाने में 90 दिन लगे। यह भारत का वैभव था! उन्होंने याद दिलाया कि अंकोरवाट मंदिर कंबोडिया में है, जो दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल है और वह हिंदू मंदिर है। उन्होंने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात, जैसे मुस्लिम देशों में भी आज भारत की संस्कृति को सम्मान मिल रहा है, और अक्षरधाम मंदिर जैसे प्रतीक उभर रहे हैं। आज जब हम आयुष की बात करते हैं, तो यह केवल वैकल्पिक चिकित्सा नहीं है, बल्कि यह भारत की हजारों वर्षों पुरानी वैज्ञानिक जीवन शैली का नाम है। आयुर्वेद, योग, यूनानी, होम्योपैथी और सोवा-रिग्पा, ये सभी भारतीय परंपरा की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि आयुष भारत की मिट्टी से उपजा दर्शन है, जो शरीर के साथ आत्मा को भी आरोग्य करता है। मंत्री ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के सांस्कृतिक जागरण की सराहना की और कहा कि आज भारत फिर से अपने अतीत को पहचान रहा है, सहेज रहा है और विश्व को सिखा रहा है। विकास और संस्कार, दोनों को साथ लेकर चलना ही इस युग का सनातन पथ है। मंत्री ने कहा कि हम सबका यह कर्तव्य है कि हम सनातन परंपरा, शोध और सेवा को अपने जीवन का संकल्प बनाएं।